भारत के विभिन्न राज्यों में कॉपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बी.ई.एल) द्वारा सरकारी स्कूलों में बनाई गई बुनियादी सुविधाओं के प्रभाव का आंकलन

द्वारा प्रायोजित

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY, TECHNOLOGY, INNOVATION

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
बेंगलुरु, कर्नाटक

द्वारा प्रस्तुत

GIDS

गिरि विकास अध्ययन संस्थान

(आई.सी.एस.एस.आर. का राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार)
सेक्टर–ओ, अलीगंज हॉउसिंग स्कीम
लखनऊ – 226024

द्वारा आयोजित

डा0 के0एस0 राव
परियोजना निदेशक

मार्च, 2023

विषय सूची

अध्याय	शीर्षक	पेज न0
	कार्यकारी सरांश	1 – 8
अध्याय–1	प्रस्तावना	9 – 12
1.1	राज्यानुसार निगमित समाजिक दायित्व के अर्न्तगत (बेल)(7) इकाइयों का योगदान	9
1.2	वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य	11
अध्याय–2	अध्ययन, शोध अभिव्यक्त एवं शोध प्रतिदर्शन	12 – 14
2.1	अध्ययन की प्रक्रिया	12
2.2	मूल्यांकन के मापदण्ड	12
2.3	अध्ययन हेतु प्रतिदर्शन के आकार	14
अध्याय–3	आकलन के परिणाम	15 – 23
3.1	प्रसंगिकता	15
3.2	सार्वजनिक उपयोगिता	17
3.3	प्रचालन एवं अनुरक्षण	18
3.4	प्रभाव	21
3.5	परिणाम	23
अध्याय–4	परियोजना का सार्वभौमिक प्रभाव	24 – 27
4.1	प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक लाभ	24
4.2	अध्ययन की सीमाएं	26
4.3	अल्पकालिक प्रभाव	26
4.4	दीर्घकालिक प्रभाव	27
अध्याय–5	सारांश एवं निष्कर्ष	28 – 32
5.1	प्रसांगिकता	29
5.2	सार्वजनिक उपयोगिता	29
5.3	प्रचालन तथा अनुरक्षण	30
5.4	प्रभाव	30
5.5	परिणाम	31
5.6	सुझाव	32
संलग्नक–1	सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा सृजित किये गये अवस्थापना व्यय के परिणाम के आंकलन हेतु चयनित हितधारक और राज्यानुसार संकेत	33 – 50
संलग्नक–2	फोटोग्राफ	51 – 71
संलग्नक–3	प्रश्नावली (1–6 केन्द्रीय समूह परिर्चचा हेतु जाँचसूची)	72 – 111

(Dr. K. S. Rao)

सारिणी सूची

सारिणी	सारिणी सूची	पेज न0
1.1	अध्ययन हेतु शोध प्रतिदर्शन का आकार	14
1.2	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– हरियाणा	33
1.3	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– महाराष्ट्र	34
1.4	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– उत्तर प्रदेश	35
1.5	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– उत्ताराखण्ड	36
1.6	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– आन्ध्र प्रदेश	37
1.7	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– तमिलनाडू	38
1.8	विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या राज्य का नाम– कर्नाटक	39
1.8	विकास खण्ड का नाम – शाहापुर	39
1.9	विकास खण्ड का नाम – शोरापुर	40
1.10	विकास खण्ड का नाम – यादगिर	41
1.11	विकास खण्ड का नाम – होसकोटे, हिबल, नीलामनगला	42
1.12	विकास खण्ड का नाम – शिमोगा	43
1.13	विकास खण्ड का नाम – कोलार	44
1.14	विकास खण्ड का नाम – रामनगर	45
1.15	विकास खण्ड का नाम – चिकबाल पुर	46
1.16	विकास खण्ड का नाम – तुमकुर	47
1.17	विकास खण्ड का नाम – हसन	48
1.18	विकास खण्ड का नाम – उत्तरकन्नड्	49

(Mr. K.S. Rao)

चार्ट की सूची

चार्ट नं0	शीर्षक	पेज न0
1.	हरियाणा राज्य में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	33
2.	महाराष्ट्र राज्य में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	34
3.	उत्तर प्रदेश राज्य में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	35
4.	उत्तराखण्ड राज्य में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	36
5.	आन्ध्र प्रदेश राज्य में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	37
6.	तमिलनाडू राज्य में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	38
7(i)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–शाहपुर में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	39
7(ii)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–शोरापुर में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	40
7(iii)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–यादगिर में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	41
7(iv)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–होसकोटे, हिब्बल एवं नीलामनगला में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	42
7(v)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–शिमोगा में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	43
7(vi)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–कोलार में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	44
7(vii)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–रामनगर में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	45
7(viii)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–चिकबालपुर में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	46
7(ix)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–तुमकुर में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	47
7(x)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–हसन में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	48
7(xi)	कर्नाटक राज्य के विकास खण्ड–उत्तरकन्नड़ में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	49
7(xii)	कर्नाटक राज्य के समस्त विकास खण्ड में सकारात्मक उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत	50

(Dr. K.S. Rao)

भारत के विभिन्न राज्यों में निगमित समाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत भारत इलेक्ट्रानिक लि0 (बेल) द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव एवं परिणाम का मूल्यांकन

कार्यकारी सारांश–

वर्ष 2014 में निगमित समाजिक उत्तर दायित्व का क्रियान्वयन भविष्य के लिये विधिक आधार पर अनिर्वाय कर दिया गया था कम्पनियां समाजिक उत्तर दायित्व के अन्तर्गत अपने निवेश में वृद्धि के साथ–साथ नव प्रवर्तित परियोजना के क्रियान्वयन के द्वारा समाजिक विषयों से सम्बन्धित समस्याओं का नवप्रर्वतन द्वारा निष्पादन करने का प्रयास कर रही है।

सार्वजनिक उद्यम क्षेत्र के प्रमुख जिम्मेदार उपक्रम होने के कारण बेल ने निगम समाजिक दायित्व की अवधारणा के अवसर को अपने उपक्रम की रणनीति में एकीकृत करने का निर्णय लिया है निगम समाजिक दायित्व बेल की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग है। बेल सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्रम होने के कारण आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं निर्धन बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के सामाजिक आदेशात्मक पहलू के माध्य सन्तुलन उपलब्ध करने का प्रयास कर ही है।

परियोजना की अवधारणा–

भारत के विभिन्न राज्यों में निगमों के सामाजिक दायित्व के अर्न्तगत भारत इलेक्ट्रानिक लि0 बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना/सुविधाओं के सृजन से प्रभाव एवं परिणाम के मूल्यांकन हेतु परियोजना की सामाजिक उपयोग, प्रभाव निस्तरता एवं परिणाम का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप परीक्षण एवं मूल्यांकन अत्यन्त महत्वपूर्ण पहलू है।

भारत हैवी इलेक्ट्रानिक लि0 द्वारा सरकारी विद्यालय में आर्थिक निवेश के माध्यम से निम्नलिखित सुविधाओं के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी गयी है।

विद्यालयों को प्रदान की गई बुनियादी सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं को मूल्यांकन एवं अध्ययन कक्षाओं के साथ–साथ विद्यालय भवन का निर्माण, विद्यालयों के चाहर दीवारी व प्रवेश द्वार का निर्माण, रसोई एवं भण्डार गृह, प्रार्थना सभा में टाइल्लस द्वारा फर्श का सौन्दर्यीकरण, स्वास्थ्य रक्षा से सम्बन्धित उपकरणों द्वारा शौचालय का निर्माण (कम्बोट, फ्लश, टैक, नल, स्टाप काक, वाश–बेसिन इत्यादि) दरवाजे एवं खिड़कियां, विद्युत प्रकाश उपरण, एग्जास्ट पंखा, दर्पण, (शीशा) सैप्टिक टैक, सोक पिट सुरक्षित पेयजल सुविधा, जालीदार खिड़की इत्यादि, फर्नीचर,

(Dr. K.S. Rao)

युग्म डेस्क (बेंच एवं डेस्क सहित) बेच और डेस्क, काार्यलय हेतु मेज, कुर्सी, छतवाला पंखा, अलमारी इत्यादि। पुस्तकालय/खेलकूद की सुविधा सम्बन्धी सामग्री, पेयजल सुविधा, हाथ धोने हेतु मल्टीपिट टेन्ड वाश यूनिट, स्मार्ट कक्षाएं सुचग प्रद्योगिकी शिक्षा से सम्बन्धित सुविधाए/अन्य वर्षा जल संचयन, पीवीसी शेड इत्यादि।

निगम सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों के निष्पादन के फलस्वरूप मुख्य लाभार्थी सरकारी विद्यालयों के अध्यापक व विद्यार्थी है। अन्य हितधारकों में माता–पितक स्थानीय प्रशासक शिक्षा विभाग को भी लाभार्थियों की श्रेणी में रखे जा सकते है। इध्ययन के क्षेत्र में मै प्रश्नावली को अंग्रेजी व स्थानीय भाषाओं (जैसे कन्नड़, तमिल, हिन्दी, तेलगू, मराठी में) संरचित प्रश्नावली के तैयार करना है। माध्यम से विभिन्न हितधारकों से प्रारस्परिक क्रिया द्वारा परियोजना के विभिन्न अवयवों पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

उद्देश्य–

परियोजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–

भारत के विभिन्न राज्यों में निगमों के सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत भारत इलेक्ट्रानिक लि0 बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना एवं सुविधाओं के प्रभाव एवं परिणा के मूल्यांकन

- परियोजना के सामाजिक उपयोग, प्रभाव, निरन्तरता एवं परिणाम का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से परीक्षण
- निम्नलिखित पहलुओं के सन्दर्भ में बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में सृजित की गयी सुविधाओं के परिणाम का मूल्यांकन

विद्यालय को प्रदान की गई अवस्थापना सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन एवं मूल्याकन –कक्षाओं के साथ विद्यालय भवन का निर्माण, विद्यालयों में चाहर दीवारी वे प्रवेश द्वार का निर्माण, रसोई एवं भण्डारगृह प्रार्थना सभा में टाइल्स द्वारा फर्श का सौन्दर्यीकरण, स्वास्थ्य रक्षा से सम्बन्धित उपकरणों द्वारा शौचालय निर्माण (कम्बोट, फ्लश टैक, नल, स्टाप कॉक्स, बाशबेसिन, इत्यादि) दरवाजे एवं खिड़कियां, विद्युत प्रकाश उपकरण, एग्जास्ट पंखा, दर्पण (शीश) सैप्टिंक टैक, सोक पिट, सुरक्षित पेयजल सुविधा, जालीदार खिड़की इत्यादि फर्नीचर, युग्म डेस्क (बेंच एवं डेस्क सहित) बेंच और डेस्क कार्यालय हेतु मेज कुर्सी छत वाला पंखा, अलमारी इत्यादि पुस्तकालय/ खेलकूद की सुविधा सामाग्री, पेयजल सुविधा हाथ धोने हेतु मल्टीपिल हैण्ड वांश,

(Dr. K.S. Rao)

यूनिट, स्मार्ट काक्षाएं सूचना प्रद्योगिकी शिक्षा से सम्बन्धित सुविधाएं/अन्य–वर्षा जल संचयन एवं पी.वी.सी शेड इत्यादि।

परियोजना के मुख्य लाभार्थी–

सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी एवं कर्मचारियों के जीवन पर बेल द्वारा परियोजना क्रियान्वयन द्वारा प्रदान की गई अवस्थापना सुविधाओं के परिणाम का मूल्यांकन और अन्ततः

- बेल द्वारा प्रस्तावित परियोजना परिणाम का माता–पिता स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन

अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने वर्तमान परियेाजना के अध्ययन हेतु 7 राज्यों के 150 विद्यालयों को शोध प्रतिदर्शन के लिये चुना गया है। जिसके अर्न्तगत कर्नाटक के 134 विद्यालय, आन्ध्र प्रदेश के 7, तमिलनाडू का 1 विद्यालय, उत्तराखण्ड के 05 विद्यालय, उत्तर प्रदेश के 1 हरिणाणा एवं महाराष्ट्र राज्य के 01 विद्यालय का चुनाव किया गया है। निगम सामाजिक दायित्व के अर्न्तगत सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं के सृजन में बेल द्वारा रू0 20 करोड़ का व्यय किया गया है। जिनमें से 05 सरकारी विद्यालयों में वैयक्तिक स्तर पर 1 करोड़ रू0 व्यय किया गया है।

परियोजना अध्ययन हेतु प्रश्नावली एवं केन्द्रीय समूह सूचनाओं के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया है। जिसके अन्तर्गत विद्यालय, विद्यार्थी, अध्यापक, माता–पिता शिक्षा विभाग के अधिकारों एवं पंचायत राज के प्रतिनिधियों हेतु एक–एक प्रश्नावली निर्धारित की गयी है।

अध्ययन की प्रकृति के अनुरूप अध्ययन की प्रक्रिया का चयन किया गया है। गुणात्मक प्रक्रिया की तुलना में संख्यात्मक प्रक्रिया को अधिक महत्व दिया गया है। यद्यपि अध्ययन की आवश्यकतानुसार गुणात्मक प्रक्रिया का भी चयन किया गया है। संख्यात्मक प्रक्रिया के माध्यम से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत बेल द्वारा बुनियादी सुविधाओं पर किये गये व्यय के परिणाम स्वरूप परियोजना द्वारा लाभान्वितों के जीवन पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन किया गया है। गुणात्मक प्रक्रिया के माध्यम से मुख्य लाभार्थी (विद्यार्थी एवं सरकारी विद्यालय के कर्मचारी) और हितधारक (माता–पिता, स्थानीय प्रशासन एवं शिक्षा विभाग) की रूपरेखा बनाकर बेल द्वारा प्रारम्भ की गयी सरकारी विद्यालयों की परियोजना मूल्यांकन के अर्न्तगत नवीनीकरण के कार्य हेतु सूचना एवं उत्तरों को एकत्रित किया गया है। संरचनित प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न चयनित विद्यालयों से नमूने एकत्र किये है। हमने अध्ययन के उद्देश्य को प्राप्त करने के

(Dr. K.S. Rao)

लिये प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही प्रकार के आंकड़ों का प्रयोग किया है। हमने 5 संकेतों के माध्यम से परियोजना के प्रभाव एवं परिणाम का मूल्यांकन किया है। हितधारकों के लिये बुनियादि व अन्य सृजित सुविधाओं की उपयोगिता, सरकारी विद्यालयों में सृजित की गयी बुनियादी सुविधा व अन्य सुविधाओं का प्रचालन और अनुरक्षण, सरकारी विद्यालयों में सृजित की गई बुनियादी सुविधा व अन्य सुविधाओं का प्रभाव एवं सरकारी विद्यालयों में सृजित की गई बुनियादी सुविधा व अन्य सृजित सुविधाओं के परिणाम के मूल्यांकन हेतु लाईकर्ट स्केल के अन्तर्गत उपयोग में आने वाले 5 संकेतो का प्रयोग किया है। (उत्कृष्ट–80 प्रतिशत से ऊपर, अति उत्तम 71–80 प्रतिशत, उत्तम 61–70 प्रतिशत, सन्तोषजनक 50–60 प्रतिशत, खराब 50 प्रतिशत से कम)

परिणाम का मूल्यांकन–

भारत के विभिन्न राज्यों में निगमों के सामाजिक उत्तरदायित्व के अर्न्तगत भारत इलेक्ट्रानिक लि0 (बेल) द्वारा सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम मूल्यांकन हेतु हमने विस्तृत रूप से 5 मुख्य बिन्दुओं के आधार पर निष्कर्ष निकालने का प्रयास किया है।

प्रसांगिकता–

क्या निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत देश के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं का सृजन लाभार्थी संस्थाओं की आवश्यकता को पूर्ण करने में सफल हुआ है और साथ ही साथ इस बात पर भी प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है कि बेल द्वारा प्रदान की गयी बुनियादी सुविधाएं एवं अन्य सुविधाएं हितधारकों हेतु कितनी प्रसांगिक है और विभिन्न हितधारको में बुनियादी सुविधाओं व अन्य सृजित सुविधाओं के प्रति जागरूकता का स्तर क्या है। प्रसांगिकता के सन्दर्भ में यह निष्कर्ष निकला कि कर्नाटक के हसन जिले के अतिरिक्त अन्य समस्त 149 विद्यालयों से बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में सृजित की गयी बुनियादी सुविधाओं व अन्य सुविधाओं के सन्र्दभ में उत्तकृष्ट श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए है।

उपयोगिता–

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अर्न्तगत सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के सन्दर्भ के किस सीमा तक उनका प्रयोग विद्यालयों द्वारा नियमित किया जा रहा है और विद्यालयों में सृजित बुनियादी सुविधाओं के आंशिक अथवा पूर्ण रूप से प्रयोग में न होने अर्न्तनिहित सीमा क्या है इस दृष्टिकोण से देश भर में चयनित विभिन्न राज्यें के सरकारी विद्यालयों एवं हितधारकों से निम्नलिखित अनुभव प्राप्त किये गये है।

(Dr. K.S. Rao)

उपयोगिता के दृष्टिकोण

पौढ़ी गढ़वाला जिले के 05 चयनित विद्यालयों में बेल द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का असन्तोषजनक उपयोग हुआ है इसकी तुलना में कर्नाटक के हसन जिला व उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के सरकारी विद्यालयों में सृजित बुनियादी सुविधाओं व अन्य सुविधाओं का उपयोग अच्छे स्तर पर किया गया है। शेष में देश के विभिन्न राज्यों के शेष 143 विद्यालयों में बेल द्वारा सृजित बुनियादी सुविधाओं का प्रयोग औसत रूप से उत्कृष्ट स्तर पर किया गया है।

प्रचालन और अनुरक्षण–

बुनियादी व अन्य सुविधाओं के सृजन का कार्य सुगमता पूर्वक किया जा सकता है परन्तु सरकारी विद्यालयों में सूचना प्रौद्योगिकीय से सम्बन्धित अवस्थापना सुविधाओं का प्रचालन और अनुरक्षण एक कठिन कार्य है देश के दूरवर्ती क्षेत्रों में तकनीकि ज्ञान से सम्बद्ध व्यक्ति प्रायः कम उपलब्ध है। अतः बुनियादी ढांचे एवं अन्य सुविधाओं का प्रचालन और अनुरक्षण, शौचालों में प्रवाहित जल की सुविधा हाथ धोने की सुविधा प्रदान करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों, अध्यापकों, माता–पित, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज के प्रतिनिधियों से हमने अनुभव प्राप्त करने का प्रयास किया है।

देश के विभिन्न राज्यों में प्रचालन और अनुरक्षण के दृष्टिकोण से बेल द्वारा सृजित बुनिादी व अन्य सुविधाओं शौचालयों में प्रवाहित जल, हाथ धोने की सुविधा के सन्र्दभ में समस्त चयनित सरकारी विद्यालयों के सर्वेक्षण में उच्च व अच्छे श्रेणी के उत्तरों की अभिव्यक्ति हुई है।

प्रभाव–

विद्यालय की शिक्षा प्रणाली का अप्रत्यक्ष प्रभाव का आंकलन करना ए दुःसाध्य कार्य है। इस अध्ययन में हमने एक निश्चित समयान्ताराल में बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में सृजित बुनियादी सुविधाएं एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप विद्यालयों में विद्यार्थी की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में व प्रभाव और बेल द्वारा सृजित सुविधाओं का दूरदर्शिता पूर्ववत उपयोग और सुविधाओं की निरन्तरता बनाये रखेन हेतु, सर्वेक्षण का कार्य किया है। दृष्टिकोण से हमने विद्यालय प्राधिकारी विद्यार्थी, माता–पित, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज प्रतिनिधियों के अनुभव प्राप्त करने का प्रयास किया है।

(Dr. K.S. Rao)

बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादी सुविधाओं और अन्य सुविधाओं के प्रभाव के सन्र्दभ में महाराष्ट्र राज्य से अत्यधिक असन्तोष जनक परिणाम प्राप्त हुए है। इसी क्रम के सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड राज्य से सन्तोषजनक परिणाम प्राप्त हुए है एवं बेल द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के शेष 143 सरकारी विद्यालयों में प्रदान की गयी विभिन्न सुविधाओं के प्रभाव के सन्दर्भ में औसत रूप से उत्कृष्ट श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए है।

परिणाम–

बेल द्वारा निगमित सामाजिक उत्तर दायित्व के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों में बुनियादी के अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम के कार्य का आंकलन एक विचारणीय गुणात्मक पहलू है उपरोक्त दृष्टिकोण में हमने लाभ के परिणाम का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आकलन करने का प्रयास किया है क्या परियोजना द्वारा सरकारी विद्यालयों में सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिर्वतन के उद्देश्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और क्या बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादी व अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप सरकारी विद्यालयों की सामाजिक स्थिति में उन्नति हुई है और शिक्षा की सामाजिक स्थिति में उन्नति हुई है और शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षाओं केसंचालन में इन विद्यालयों को भी चिहिन्त किया गया है और क्या बेल एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व को अवधारणा के के उद्देश्य एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है। उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय प्राधिकारी विद्यार्थी, अध्यापक, माता–पिता, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायती राज के प्रतिनिधियों से उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है।

बेल द्वारा प्रदत्त विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के परिणाम के सन्दर्भ कर्नाटक राज्य के कोलार व हसन जिले से, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के राज्यों से सकारात्म्क व अच्छे श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए है। उपरोक्त के क्रम में पौढ़ी जिले के 5 विद्यालय, कोलार जिले के 2 विद्यालय, हसन के एक विद्यालय तथा उत्तर प्रदेश से भी कुछ सीमा तक अच्छे स्तर के उत्तर प्राप्त हुए है। अन्य जिलों के तुलनात्मक अध्ययन में शेष 141 सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा सृजित बुनियादी सुविधाओं और अन्य सुविधाओं के सृजन के परिपेक्ष्य के परिणाम के सन्दर्भ में सर्वेक्षण के अन्तर्गत उत्तम श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए।

विभिन्न राज्यों में उपरोक्त विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के सृजन के दृष्टिकोण से प्रभाव एवं परिणामों के उद्देश्यों को प्राप्त करने का क्षेत्र विस्तृत है। प्रभाव एक दीर्घ कालिक प्रक्रिया है जिसके परिणाम स्वरूप देश के विभिन्न राज्यों के चयनित विद्यालयों में बुनियादी व

(Dr. K.S. Rao)

अन्य सुविधाओं के सृजन के परिपेक्ष्य की तुलना में कुछ विद्यालयों के परिणाम पहलू की उपलब्धि अति उत्कृष्ट स्तर से कम स्तर पर प्राप्त हुई है।

परिणाम–

विभिन्न हितधारकों से सर्वेक्षण की अवधि के विवेचना के फलस्वरूप निम्नलिखित निरीक्षण एवं परिणाम प्राप्त हुई है–

1. अधिकांश विद्यालयों में विद्यार्थीयों की उपस्थिति संख्या में वृद्धि हुई है।
2. विद्यार्थीयों में नियमित कक्षा में उपस्थित रहने की रूचि जागृत हुई है।
3. पढ़ने व सीखने की प्रक्रिया में तकनीकि रूप से सुधार हुआ है।
4. माता–पिता ने सरकारी विद्यालयों में अपने बच्चों को पंजीकृत करने में रूचि व जागरूकता दिखाने लगे है।
5. कौशल विकास के अवसरों में वृद्धि होने लगी है।
6. भविष्य में इन विद्यार्थियों के रोजगार प्राप्त करने के अवसर सुगम हो जायेगे।
7. समस्त चयनित विद्यालयों में अवस्थापना विद्यालयों में वृद्धि हुई है।
8. अवस्थापन व अन्य सुविधाओं के सृजन से विद्यालयों में अध्यापक व विद्यार्थी प्रसन्नता अनुभव कर रहे है।
9. विभिन्न राज्यों के चयनित विद्यालयो में जिन विद्यालयों में अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं का पर्याप्त सृजन हो गया है उन विद्यालयों को बोर्ड परीक्षाओं के संचालन की सुविधा व जिम्मेदारी शिक्षा विभाग ने प्रदान की है।
10. विभिन्न विद्यालयों के सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है और अधिकांश विद्यालयों में लिंग भेद की समस्या कम हुई है।

निष्कर्ष

बेल द्वारा निगम सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों के अवस्थापना व अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव के कार्य का मूल्यांकन एक विचारणीय गुणात्मक पहलू है उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ का आंकलन करने का प्रयास किया है क्या परियोजना द्वारा सरकारी विद्यलयों मे सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन के उद्देश्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता अर्जित की है और क्या बेल द्वारा प्रदत्तर अवस्थापना व अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप सरकारी विद्यालयों की समाजिक स्थिति में उन्नति हुई और शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के संचालन करने इन विद्यालयों को भी चिहिन्त किया गया और बेल

(Dr. K.S. Rao)

एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के आधार पर निगर्म सामाजिक दायित्व की अवधारणा के उद्देश्य एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है। उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय को प्राधिकारी, विद्यार्थी अध्यापक माता–पित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज के प्रतिनिधियों के अनुभव व विचार प्राप्त करने का प्रयास किया है।

बेल द्वारा प्रदत्त विभिन्न सुविधाओं के प्रभाव के सन्दर्भ में कर्नाटक राज्य के कोलार व हसन जिले में सकारात्मक अच्छे व सन्तोषप्रद संकेत प्राप्त हुए है उपरोक्त के क्रम में पौढ़ी जिले के 5 विद्यालय, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड राज्य के भी सकारात्मक, अच्छे व सन्तोषजनक संकेत प्राप्त हुए है।

अन्य जिलों के तुलनात्मक अध्ययन में बेल द्वारा सृजित अवस्थापना व अन्य सुविधाओं के परिपेक्ष्य प्रभाव के सन्र्दभ में सर्वेक्षण के अन्तर्गत उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए इसके अतिरिक्त तमिलनाडू राज्य में सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत विद्यालयों मे प्रदान की गयी अवस्थापना व अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप शिक्षा विभाग के बोर्ड परीक्षा केन्द्र के संचालन की जिम्मेदारी दी है।

कर्नाटक के तुमकुर विकास खण्ड में बेल द्वारा विद्यालय भवन के निर्माण के पश्चात निजी विद्यालयों में प्रवेश के स्तर में कमी हुई है एवं सरकारी विद्यालयों में प्रवेश के स्तर में वृद्धि हुई है सरकारी विद्यालयों के प्राधिकारियों द्वारा अपने विद्यार्थियों हेतु कम्प्यूटर प्रयोगशाला का प्रस्ताव रखा गया है।

कर्नाटक राज्य के हसन विकास खण्ड में बेल द्वारा समाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत निदेश के पश्चात् प्रवेश संख्या के प्रतिशत में महत्पपूर्ण वृद्धि हुई है।

अन्ततः समस्त 122 विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं के अत्यधिक प्रभाव पड़ा है विद्यालयों के परीक्षा परिणामों के प्रतिशत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। विद्यार्थीयों की विषयों के सीखने व समझने की क्षमता में वृद्धि हुई है और विद्यालय में विद्यार्थियों की अनुपस्थिति का प्रतिशत घटा है और बच्चों द्वारा नियमित स्कूल आने की प्रदृत्ति में भी वृद्धि हुई है।

(Dr. K.S. Rao)

अध्याय–एक

प्रस्तावना

सामाजिक निगम दायित्व के क्षेत्र में बेल रक्षा क्षेत्र सार्वजनिक उपक्रम क्षेत्र में एक अग्रणीय कम्पनी है इस परियोजना के अन्तर्गत बेल ने सामाजिक क्षेत्र को केन्द्रीकृत किया है। जिससे मुख्य रूप से समस्त सामुदायिक विकास का समावेश करना, स स्थागत निर्माण, सतत् विकास से सम्बन्धित प्रयास निहित है। इन सम्पनी का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर दलित समूह/समुदाय से सम्बन्धित विषयों को केन्द्रित करके समस्त समाज के समाजिक सांस्कृतिक पहलू कि प्रगति में योगदान करना है उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के सन्दर्भ में बेल ने स्वस्थ अवसंरचना प्राप्त के सन्दर्भ में बेल ने स्वस्थ अवसंरचना समर्थ शिक्षा एवं कौशल विक्रय ग्राम्य विकास पर्यावरण तथा सतत् विकास के क्षेत्रों में सुधारात्मक विकास प्राप्त करने के लक्ष्य को प्रस्तावित किया है। बेल द्वारा सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत सरकारी विद्यालय में अवस्थपना व अन्य सुविधा के सृजन में वित्तीय सहायता प्रदान किया है। इस परियोजना का परिणाम का मूल्यांकन बेन ने किसी अन्य संस्थान द्वारा करवाने का प्रस्तावित है।

1.1 बेल इकाइयों द्वारा सामाजिक निगम दायित्व के अर्न्तगत विभिन्न राज्यों में योगदान

- हरियाणा : पंचकुला मन्धाना (01 विद्यालय)

  इस विद्यालय में बेल द्वारा सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत 6 कक्षा के 220 विद्यार्थी हेतु 30 कुर्सी और 13 मेज के सृजन में निवेश किया गया इसके अतिरिक्त एक बालक शौचालय, एक बालिका शौचालय, हाथ धोने की सुविधा, रसोई घर एवं भण्डार, शुद्ध पेय जल सुविधा विद्यालय में गेट सहित चार दीवार के निर्माण में भी सहायता प्रदान की गई है।

- महाराष्ट्र : पुणे, सतारा (01 विद्यालय)

  इस विद्यालय में सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत 40 कम्प्यूटर कुसी, 1 कार्यालय कुसी, सूचना एवं प्रौद्योगिकीय में 30 डेस्कटाप पी0सी0, 1 लेपटाप, 32 यूपीएस, 01 प्रोजेक्टर एवं 01 प्रिन्टर प्रदान किया गया है।

- उत्तर प्रदेश : गाजियाबाद :महाराजपुर (01 विद्यालय)

सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत बेल द्वारा 10 कक्षाएं, 60 विद्यार्थियों हेतु डेस्क के साथ बेच, 1 कम्प्यूटर, 1 प्रिन्टर, बालकों के लिये 2 शौचालय, बालिकाओ के लिए 2 शौचालय, हाथ धोने की सुविधा, रसोई एवं भण्डार गृह, पुस्तकालय/खेलकूद सुविधा, 1 वाटर कूलर, आ.ओ. फिल्टर सिस्टम, गेट के साथ चार दीवार हेतु निवेदन किया गया।

- तमिलनाडू : चेन्नई जिला तिरूवानामल्लयः तालुल्लक–वेम्बाक्कम (01 विद्यालय)

  इस विद्यालय में बेल द्वारा 15 कक्षाओं का निर्माण, 1 प्रधानाध्यापक कक्ष 72 विद्यार्थी डेस्क, 25 कुर्सी, 10 मेज, 1 कम्प्यूटर मेज, हाथ धोने की सुविधा व प्रार्थना सभा हेतु पक्की फर्श के निर्माण हेतु सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

- आन्ध्रप्रदेश : कृष्णा जिला : मछलीपतनम् (07 विद्यालय)

  इस विद्यालयों में बेल द्वारा निगम सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत 4 कक्षाएं, 280 युग्म डेस्क, 16 कार्यालय हेतु मेज, 20 छत वाले पंखे, 10 अलमारी, 4 बालको हेतु शौचालय, 4 बालिकाओं हेतु शौचालय, 9 जल शोधक यंत्र, 4 ओवर हैड टैक, 1 पी. वी.सी. शेड हेतु वित्तीय सहायता प्रदान किया है।

- कर्नाटक : यादगिर, बैगलौर, हसन, शिमोगा, चिकबालपुर, उत्तर कन्नड, तुमकुर, कोलार, रामनगर जिले में बेल द्वारा निगम सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत 70 कक्षाएं, 514 विद्यार्थी डेस्क, 83 कुर्सी, 62 मेज, 5 स्कूल कर्मचारियों हेतु फर्नीचर, 12 बालक हेतु शौचालय, 12 बालिका हेतु शौचालय, 3 पी.डब्लू.डी शौचालय, 11 यूनिट हाथ धोने की सुविधा, 3 रसोई सहित भण्डारगृह, 5 शुद्ध जल सुविधा, 5 प्रवेश द्वारा सहित चाहर दीवारी और 122 स्मार्ट क्लास रूम हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है।

समस्त 150 चयनित विद्यालयों में सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना व अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए रू0 20 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है इन समस्त 150 चयनित विद्यालयों में 5 विद्यालयों में व्यक्गित रूप से रू0 1 करोड़ का निवेश किया गया है।

1.2 वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य

(Dr. K.S. Rao)

उपरोक्त वर्णन के क्रम में इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भारत इलेक्ट्रानिक लि0 (बेल) द्वारा सामाजिक निगम दायित्व के अर्न्तगत सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना व अन्य सुविधा हेतु प्रदान की गयी वित्तीय सहायता के प्रभाव का आकंलन करना है। उपरोक्त दृष्टिकोण से प्रस्तावित अध्ययन हेतु के निम्न लिखित शोध के उद्देश्य निहित किये गये है–

- भारत के विभिन्न राज्यों में निगमों के सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत भारत इलेक्ट्रानिक लि0 बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव एवं परिणाम का मुल्यांकन।
- परियोजना के समाजिक उपयोग, प्रभात, निस्तरता एवं परिणाम का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रू0पा0स0 परीक्षण
- निम्नलिखित पहलुओं के सन्र्दभ में बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में सृजित की गयी सुविधाओं के परिणाम का मूल्यांकन

  विद्यालय में प्रदान की गयी अवस्थापना सुविधाओ के विभिन्न पहलुओ का अध्ययन एवं मूल्यांकन, कक्षाओं के साथ विद्यालय भवन का निम्मण, विद्यालयों में प्रवेश द्वार सहित चाहर दीवारी का निर्माण रसोई एवं भण्डारगृह, प्रार्थना सभा में टाइल्स द्वारा फर्श का सौन्र्दयीकरण, स्वास्थ्य रक्षा से सम्बन्धित उपकरणों द्वारा शौचालय का निर्माण, कम्बोट, फ्लश टैक, नल, स्टाप काक्स, वाश बेसिन इत्यादि रदवाजे एवं खिड़कियां, विद्युत प्रकाश उपकरण, एग्जास्ट पंखा दर्पण शीश, दर्पण, सैप्टिक टैक, सोफ पिट, सुरक्षित पेय जल सुविधा, जालीदार खिड़की इत्यादि।

- फर्नीचर (युग्म डेस्क, बेंच एवं डेस्क, कार्यालय हेतु मेज, कुर्सी छत वाला पंखा, अलमारी इत्यादि) पुस्तकालय/खेलकूद की सुविधा, पेयजल सुविधा हाथ धोने की सुविधा, स्मृति कक्षाएं, सूचना प्रद्योगिकीय से सम्बन्धित सुविधाएं एवं अन्य वर्षा जल संचयन तथा पी.वी. सी. शेड इत्यादि
- परियोजना के मुख्य लाभार्थी, सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी एवं कर्मचारियों के जीवन पर बेल द्वारा परियोजना क्रियान्वयन द्वारा प्रदान की गई अवस्थापना सुविधाओं के परिणाम का मूल्यांकन
- बेल द्वारा प्रस्तावित परियोजना के परिणाम का स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभग के कर्मचारियों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन

(Dr. K.S. Rao)

अध्याय – दो

अध्ययन प्रक्रिया, शोध अभिकल्प एवं शोध प्रतिदर्शन

इन परियोजना के अध्ययन का मुख्य आधारत मूलतः क्षेत्रीय सर्वेक्षण है लेकिन चयनित प्रतिदर्शन के उद्देश्य से द्वितीय आंकड़ों का भी अध्ययन में समावेश किया गया है। अध्ययन प्रक्रिया का विस्तृत विवेचन निम्नवत है–

2.1 अध्ययन की प्रक्रिया–

अध्ययन की प्रकृति के अनुरूप किया गया है गुणात्मक प्रक्रिया की तुलना में संख्यात्क प्रक्रिया को अधिक महत्व दिया गया हैं यद्यपि अध्ययन की आवश्यकतानुसार गुणात्मक प्रक्रिया के मध्यम से निगमों के समाजिक दायित्व के अन्तर्गत बेल द्वारा विनिर्माण अवस्थापना सुविधाओं पर किये गये व्यय के परिणाम स्वरूप परियोजना द्वारा लाभार्थियों के जीवन पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन किया गया है।

गुणात्मक प्रक्रिया के माध्यम से मुख्य लाभार्थी (विद्यार्थी एवं सरकारी विद्यालय के कर्मचारी) और हितधारक (माता–पिता, स्थानीय प्रशासन, शिक्षा विभाग की रूप रेखा बनाकर बेल द्वारा प्रारम्भ किये गये सरकारी विद्यालयों के नवीनीकरण की परियोजना हेतु सूचना एवं विचारो को एकत्र करने का प्रयास किया गया है।)

मूल्यांकन हेतु संतुलित प्रश्नावली के माध्यम से विभिन्न चयनित सरकारी विद्यालयो के माध्यम से सूचना व विचार एकत्र करने का प्रयास किया गया है। हम इसे शोध अध्ययन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये प्राथमिक एव वित्तीयक दोनों ही आकड़ों का प्रयोग किया है।

2.2 मूल्यांकन के निधारित मानक

प्रसंगिकता–

क्या निगमों के समाजिक दायित्व के हस्तक्षेप के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में अवस्थापना व अन्य सुविधाओं हेतु, वित्तीय सहायता प्रदान करके देश के विभिन्न राज्येां में लाभार्थी संस्थाओ की आवश्यकताओं को पूर्ण किया गया है। सार्वजनिक उपयोगिता – उपयोगिता को (आंशिक पूर्ण/अनुपयोगी रहना) न्यायोचित विस्तार

(Dr. K.S. Rao)

प्रचालन तथा अनुरक्षण–

- सरकारी विद्यालयों में सृजित अवस्थापना व अन्य सुविधाओं का अनुरक्षण
- शौचालच में हाथ धोने हेतु प्रयुक्त जल का के प्रवाह की उपलब्धता

परिणाम–

- विद्यालय में विद्यार्थी की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन।
- विद्यार्थीयों के पंजीकरण में वृद्धि।
- विद्यार्थीयों के उपस्थिति में वृद्धि।
- बेल द्वारा सृजित सुविधाओं का दूरदर्शिता पूर्वक उपयोग
- एक निश्चित समयावधि में बेल द्वारा सृजित सुविधाओं की निरन्तरता

प्रभाव–

- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ
- क्या परियोजना विद्यालय में विद्यार्थी की सोचने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन के लिये सहायक सिद्ध हुई है।
- क्या बेल द्वारा प्रदत्त अवस्थापन व अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप सरकारी विद्यालयों की समाजिक स्थिति में उन्नति हुई है और शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षा के संचालन में इन विद्यालयों को भी चिहिन्त किया है।
- सामाजिक उत्तरदायित कम्पनी के रूप में बेल की अवधारणा।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर लाइकर्ट स्केल के अनुसार औसत अंक और की श्रेणी की गणना 5 बिन्दुओं के आधार पर की जा सकती है। (स्केल के नाम की सूचना) लाइफर्ट स्केल का प्रयोग किसी विषय पर आमलोगों की धारणा के निर्धारण में होता है। प्रवृत्ति एवं व्यवहार यह किसी तथ्य या प्रश्न पर आधारित होती है और अध्ययन में 5 तथ्यों पर आधारित उत्तरों की श्रेणी होती है। उत्तरदाताओं की निम्नलिखित पांच के समूह के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जाता है।

1. उत्कृष्ट (E) – 80 प्रतिशत से ऊपर
2. बहुत अच्छा (V)– 71 – 80 प्रतिशत
3. अच्छा – 61 – 70 प्रतिशत

(Dr. K.S. Rao)

4. सन्तोषजनक – 51 – 60 प्रतिशत
5. खराब – 50 प्रतिशत से कम

उत्तरदाता उस विकल्प का चयन करता है जिस तथ्य या प्रश्न को जिसमें वह अधिक अनुरूपता व समतुल्यता अनुभव करता है। लाइकर्ट स्केल में विषय से सम्बन्धित सहमति औरअ नुभव के स्तर को सूक्ष्म रूप से अभिव्यक्त करने की विशेष सुविधा है। फिर भी लाइर्कट स्केल में प्राप्त उत्तर में पक्षपात की प्रवृर्तयुक्त होने की सम्भावना होती है जहां पर उत्तरदाती थकान या समाजिक वाछनीयता के कारण समस्त तथ्यों से असहमति व्यक्त करता है या समपित्त सृजन के प्रति अधिक चाहत होती है और मूलभूत सुविधाओं के प्रति उसकी मांग अधिक होती है।

2.3 प्रतिदर्श का आकार

इस अध्ययन के प्रतिदर्श का आकार बेल द्वारा विभिन्न राज्यों में निष्पादित विभिन्न क्रियाकलापों पर निर्भर करता है। जिसका विस्तृत विवेचन निम्नवत् है–

सारिणी : 1.1
अध्ययन हेतु प्रतिर्दश का आकार

क्र0सं0	राज्य का नाम	विद्यालयों की संख्या	विद्यार्थियों की संख्या	विद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	विद्यालयों में माता–पिता की संख्या	पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या	शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संख्या	कुल प्रतिदर्शन की संख्या
1.	तमिलनाडू	1	160	2	8	2	2	115
2.	उत्तर प्रदेश	1	100	2	8	2	2	115
3.	आन्ध्रप्रदेश	7	595	14	56	14	14	700
4.	महाराष्ट्र	1	100	2	8	2	2	115
5.	हरियाणा	1	100	2	8	2	2	115
6.	उत्तराखण्ड	5	331	10	40	10	10	406
7.	कर्नाटक	134	11769	268	1072	268	268	13792
	समस्त राज्य	150	13095	300	1200	300	150	15345

स्रोतः सहायक प्रबन्धक (एफ0 एंड एस0) भारत इलेक्ट्रनिक्स लि0

(Dr. K.S. Rao)

अध्याय – तीन

मूल्यांकन परिणाम

3.1 प्रसांगिकता

क्या सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत देश के विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों में सृजित की गयी अवस्थापना व अन्य सुविधाएं लाभान्वित संस्थाओं की आवश्यकता को पूरा करती है और इस तथ्य पर भी प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में प्रदान की गई अवस्थापना व अन्य सुविधाएं विभिन्न हितधारकों के लिये कितनी प्रसांगिक है उपरोक्त विषयों के सन्दर्भ में हमने विद्यालय के प्राधिकारियों, अध्यापको, माता–पिता, शिक्षा विभाग के अधिकारी और पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों, चयनित राज्यों से सर्वेक्षण द्वारा सूचना एकत्र करने का प्रयास किया है।

- आंध्रप्रदेश के मछलीपतनम जिले बेल द्वारा सृजित अवस्थापना व अन्य सुविधाओं की प्रसांगिकता के सन्दर्भ में 97.62 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये है। (संलग्नक–I में सारिणी 1.6 का अवलोकन करें)

- बेल द्वारा सृजित कर्नाटक राज्य के सरकारी विद्यालयों में सृजित अवस्थापना सुविधाओं की प्रसांगिता के सन्दर्भ में कर्नाटक राज्य में शाहपुर तालुक में औसत 89.47 प्रतिश्त, शोरापुर तालुक में 96.72 प्रतिशत यादगिर जिले की यादगिरि तालुक में 95.80 इसके पश्चात बगलौर जिले की हासकोटे ताल्लुक हिब्बल ताल्लुक, नीलामंगला तालुक में 97.78 प्रतिशत शिमोगा जिले में 100 प्रतिशत, कोलार जिले में 94.62 प्रतिशत रामनगर जिले में 98.36 प्रतिशत, चिकबालपुर जिले में 100 प्रतिशत, तुमकुर जिले मे 100 प्रतिशत, उत्तर कन्नड जिले में 100 प्रतिशत एवं कर्नाटक के हसन जिले में 70.59 प्रतिशत हितधारकों ने सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये है इसन जिले के अतिरिक्त समस्त जिलों के उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्रस्तुत किये है (जिसका अर्थ सभी जिलों के विचार 80 प्रतिशत से अधिक है)

  (संलग्नक–1 सारिणी 1.8 – 1.18 का अवलोन करें)

- तमिलनाडू के तिरूवन्नामालया जिले के विम्बाक्कम तालुक में 91.30 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं के सृजन की प्रसांगिकत के सन्दर्भ में

(Dr. K.S. Rao)

सकारात्मक विचार व अनुभव प्रस्तुत किये है। इसका तात्पर्य है कि तमिलनाडू से उत्कृष्ट अनुभव व विचार प्राप्त हुए है। (संलग्नक–1 सारिणी– 1.7 का अवलोकन करे)

- उत्तराखण्ड राज्य में कोटद्वारा व पौढ़ी गढ़वाल जिल के सरकारी विद्यालयो में 90.69 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों द्वारा बेल द्वारा अवस्थापन व अन्य सुविधाओं के सृजन की प्रसांगिकता के विषय में सकारात्मक विचार व अनुभव प्रस्तुत किये है। इसका तात्पर्य है उत्कृष्ट विचार व अनुभव उपरोक्त सन्दर्भ में प्राप्त हुए है।

  (संलग्नक–1 सारिणी 1.5 का अवलोन करें)

- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के महाराजपुर सरकारी विद्यालय में 98.26 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने बेल द्वारा सृजित अवस्थापना व अन्य सुविधाओं की प्रसांगिकता के विषय में सकारात्मक अनुभव एवं विचार प्रस्तुत किये है इसका तात्पर्य है कि उत्तर प्रदेश से उत्कृष्ट श्रेणी के विचार व अनुभव प्राप्त हुए है

  (संलग्नक–1 सारिणी 1.4 का अवलोन करें)

- हरियाणा राज्य के मन्धाना, पंचकुला जिले के सरकारी विद्यालयों में 100 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने बेल द्वारा अवस्थापना व अन्य सुविधाओ के सृजन की प्रसांगिकता के विषय में सकारात्मक विचार व अनुभव प्रस्तुत किये है। इसका तात्पर्य है कि हरियाणा राज्य से उपरोक्त के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के विचार व अनुभव प्राप्त हुए है।

  (संलग्नक–1 सारिणी 1.2 का अवलोन करें)

- अन्ततः महाराष्ट्र राज्य के सतारा एवं पूणे जिले के सरकारी विद्यालयों में 97.39 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों द्वारा बेल अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं के सृजन की प्रसांगिकता के सन्दर्भ में सकारात्मक विचार व अनुभव प्रस्तुत किये है इसका तात्पर्य है महाराष्ट्र राज्य से उपरोक्त के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के विचार व अनुभव प्राप्त हुए है।

  (संलग्नक–1 सारिणी 1.3 का अवलोन करें)

- कर्नाटक राज्य के हसन जिले के अतिरिक्त समस्त 149 विद्यालयों ने बेल द्वारा सृजित अवस्थापना व अन्य सुविधाओं की प्रसांगिकता के विषय में औसतन उत्कृष्ट श्रेणी के विचार व अनुभव प्रस्तुत किये है।

(Dr. K.S. Rao)

3.2 सार्वजनिक उपयोगिता

सामाजिक निगम दायित्व के अन्तर्गत बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों के अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं के सृजन कि उपयोगिता के सन्दर्भ में सरकारी विद्यालयों में नियमित रूप से इनका किस सीमा तक प्रयोग हो रहा है। और विद्यालयों में सृजित बुनियादी सुविधाओं के आंशिक अथवा पूर्ण रूप से प्रयोग में न होने की स्वभाविक सीमा क्या हैं? इस दृष्टिकोण से देश भर के चयनित विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों एवं हितधारको से निम्नलिखित उत्तर प्राप्त हुए हैं।

- आन्ध्र प्रदेश राज्य के मछलीपत्नम जिले के सरकारी विद्यालयों में 73.49 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता की सन्दर्भ में सकारात्मक उत्तर दिये। (सलंग्नक–1 में सारिणी न0 1.6 का अवलोकन करें)

कर्नाटक राज्य में शाहपुर तालुका के औसत 86.67 प्रतिशत, शोरापुर तालुका के 90.80 प्रतिशत, यादगिर जिले के यादगिर तालुका के 88.83 प्रतिशत तत्प्रश्चात बैंगलोर जिले के हासकोटे तालुक, हिब्बल तालुक, नीलामंगला तालुक के 97.78 प्रतिशत, शिमोगा जिले में 96.77 प्रतिशत, कोलार जिले में 93.55 प्रतिशत, रामनगर जिले में 96.72 प्रतिशत, चीकबालपुर जिले में 97.39 प्रतिशत, तुमकुर जिले में 97.65 प्रतिशत, उत्तर कन्नड़ जिले में 97.14 प्रतिशत, और कर्नाटक के हसन जिले के 69.41 प्रतिशत, विभिन्न हितधारको ने सरकारी विद्यालयों में बैल द्वारा सृजित बुनियादी व अन्य सुविधाओ की उपयोगिता के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं, जिसका अर्थ है सभी विचार 80 प्रतिशत से अधिक हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.8–1.18 का अवलोकन करने की कृपा करें।)

- तमिलनाडू राज्य के तिरूवन्नामालय जिले के वेम्बाक्कम तालुक में 98.26 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी से सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं। इसका तात्पर्य यह कि तमिलनाडू से उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.7 का अवलोकन करें।)
- उत्तराखण्ड राज्य के कोटद्वार एवं पौढ़ीगढ़वाल जिले के सरकारी विद्यालयों में 46.08 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता के सन्दर्भ में से सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं। इसका तात्पर्य यह कि

(Dr. K.S. Rao)

उपरोक्त सन्दर्भ में असन्तोषजनक उपयोगिता का आंकलन हुआ हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.5 का अवलोकन करें।)

- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के महाराजपुर सरकारी विद्यालय में 68.70 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों में विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता के सन्दर्भ में से सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं। इसका तात्पर्य यह कि उपरोक्त सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश राज्य में अच्छी श्रेणी की उपयोगिता का आंकलन हुआ हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.4 का अवलोकन करें)
- हरियाणा राज्य के मन्धाना पंचकुला जिले के सरकारी विद्यालयों के 100 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं। इसका तात्पर्य यह कि हरियाणा राज्य से उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1. 2 का अवलोकन करें।)
- अन्ततः महाराष्ट्र राज्य के सतारा एवं पूणे जिले के सरकारी विद्यालयों में 99.13 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं। इसका तात्पर्य यह कि महाराष्ट्र राज्य से उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.3 का अवलोकन करें।)

फिर भी उत्तराखण्ड राज्य के पौढ़ीगढ़वाल जिले के 5 सरकारी विद्यालयो में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं की उपयोगिता का सन्तोषजनक स्तर प्राप्त नहीं हुआ हैं। अन्य राज्यों की तुलना में कर्नाटक के हसन जिले व उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में बुनियादी व अन्य सुविधाओं की उपयोगिता का स्तर कुछ सीमा तक अच्छी श्रेणी में प्राप्त हुआ हैं। शेष 143 विद्यालयों में बेल द्वारा विभिन्न राज्यों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन का स्तर उत्कृष्ट कोाटि का प्राप्त हुआ हैं।

3.3 प्रचालन एवं अनुरक्षण

बुनियादी व अन्य सुविधाओं के सृजन का कार्य सुगमता पूर्वक किया जा सकता है। लेकिन सरकारी विद्यालयो में सूचना प्रौद्योगिकी से संबधित बुनियादी सुविधाओं का प्रचालन एवं अनुरक्षण के कठिन कार्य हैं। देश के दूरवर्ती क्षेत्रों में तकनीकि ज्ञान से उपलब्ध व्यक्ति प्राय कम

(Dr. K.S. Rao)

है। सरकारी विद्यालयों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं का प्रचालन और अनुरक्षण तथा देश के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में शौचालय में प्रवाहित जल की सुविधा एवं हाथ धोने की सुविधा प्रदान करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। उपरोक्त के दृष्टिकोण से हमने विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों, अध्यापको, माता पिता, शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से, हमने अनुभव प्राप्त करने का प्रयास किया हैं।

- आन्ध्रप्रदेश राज्य के मछलीपतनम जिले के 95.23 प्रतिशत विभिन्न हितधाराकों ने बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के अन्तर्गत शौचालय में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने की सुविधा के सृजन प्रचालन और अनुरक्षण के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक अनुभव एवं विचार दिये हैं। इसका अर्थ है आन्ध्रप्रदेश से उत्कृष्टश्रेणी से विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक–1 में सारिणी न0 1.6 का अवलोकन करें)

- कर्नाटक राज्य में शाहपुर तालुका के औसत 79.60 प्रतिशत, शोरापुर तालुका के 84.63 प्रतिशत, यादगिर जिले के यादगिर तालुका के 85.85 प्रतिशत तत्पश्चात बैंगलोर जिले के हासकोटे तालुक, हिब्बल तालुक, नीलामंगला तालुक के 82.54 प्रतिशत, शिमोगा जिले में 95.16 प्रतिशत, कोलार जिले में 83.87 प्रतिशत, रामनगर जिले में 77.05 प्रतिशत, चीकबालपुर जिले में के 95.65 प्रतिशत, तुमकुर जिले में 95.29 प्रतिशत, उत्तर कन्नड़ जिले में 86.67 प्रतिशत, और कर्नाटक के हसन जिले में 61.18 प्रतिशत, विभिन्न हितधारको ने सरकारी विद्यालयों में बैल द्वारा सृजित बुनियादी व अन्य सुविधाओ के सृजन के प्रचालन अनुरक्षण के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्रस्तुत किये हैं, जिसका अर्थ है सभी विचार एवं अनुभव 80 प्रतिशत से अधिक हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.8–1.18 का अवलोकन करें।)

- तमिलनाडू राज्य के तिरूवन्नामालय जिले के वेम्बाक्कम तालुक में 70.43 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के अन्तर्गत शौचालय में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने की सुविधा के प्रचालन और अनुरक्षण के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक अनुभव एवं विचार दिये हैं। इसका तात्पर्य यह है कि तमिलनाडू राज्य में अच्छे स्तर के विचार प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.7 का अवलोकन करें।)

- उत्तराखण्ड राज्य के कोटद्वार एवं पौढ़ीगढ़वाल जिले के सरकारी विद्यालयों में 71.57 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा बुनियादीएवं अन्य सुविधाओं के सृजन के

(Dr. K.S. Rao)

अन्तर्गत शौचालय में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने की सुविधा के प्रचालन और अनुरक्षण के सन्दर्भ में के सकारात्मक अनुभव एवं विचार दिये हैं। इसका तात्पर्य यह है कि उत्तराखण्ड राज्य में अच्छे स्तर के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.5 का अवलोकन करें।)

- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के महाराजपुर सरकारी विद्यालय में 87.83 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों में विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा बुनियादी एवं अन्य सुविधाओ के सृजन के अन्तर्गत शौचालय में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने की सुविधा के प्रचालन और अनुरक्षण के सन्दर्भ में के उत्कृष्ट कोटि के अनुभव एवं विचार दिये हैं। इसका तात्पर्य यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य में उत्कृष्ट कोटि के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.4 का अवलोकन करें।)

- हरियाणा राज्य के मन्धाना पंचकुला जिले के सरकारी विद्यालयों के 100 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के अन्तर्गत शौचालय में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने की सुविधा के प्रचालन और अनुरक्षण के सन्दर्भ में के उत्कृष्ट कोटि के अनुभव एवं विचार दिये हैं। इसका तात्पर्य यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य में उत्कृष्ट कोटि के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.2 का अवलोकन करें।)

- अन्ततः महाराष्ट्र राज्य में सतारा पुणे जिले के सरकारी विद्यालयों के 95.65 प्रतिशत हितधारकों ने बेल द्वारा बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के अन्तर्गत शौचालय में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने की सुविधा के प्रचालन और अनुरक्षण के सन्दर्भ में के उत्कृष्ट कोटि के अनुभव एवं विचार दिये हैं। इसका तात्पर्य यह है कि महाराष्ट्र राज्य में उत्कृष्ट कोटि के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.3 का अवलोकन करें।)

निष्कर्ष रूप से बेल द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के अन्तर्गत शौचालयों में प्रवाहित जल की उपलब्धता एवं हाथ धोने के सुविधा के प्रचालन एवं अनुरक्षण के सन्दर्भ में अच्छे एवं उत्कर्ष श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए हैं।

(Dr. K.S. Rao)

3.4 प्रभाव –

विद्यालय की शिक्षा प्रणाली का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष के मूल्याकंन के आंकलन का कार्य एक दुःसाध्य कार्य है। इस अध्ययन में हमने एक निश्चित समयान्तराल में बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम स्वरूप विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन एवं परिणाम, विद्यार्थियो के पंजीकरण में वृद्वि, विद्यार्थियो की उपस्थिति में वृद्वि, बेल द्वारा सृजित सुविधाओं का दूरदर्शिता पूर्वक उपयोग और सुविधाओ के प्रभाव का आंकलन करने का प्रयास किया है। इस सन्दर्भ में विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों अध्यापकों, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों से हमने उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है।

- आन्ध्रप्रदेश राज्य के मछलीपतनम जिले के 60.73 प्रतिशत विभिन्न हितधाराकों ने सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव सन्दर्भ में सकारात्मक अनुभवों की अभिव्यक्ति की हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.6 का अवलोकन करें।)
- कर्नाटक राज्य में शाहपुर तालुका के औसत 94.19 प्रतिशत, शोरापुर तालुका के 88.96 प्रतिशत, यादगिर जिले के यादगिर तालुका के 90.99 प्रतिशत तत्पश्चात बैंगलोर जिले के हासकोटे तालुक, हिब्बल तालुक, नीलामंगला तालुक के 93.33 प्रतिशत, शिमोगा जिले में 93.55 प्रतिशत, कोलार जिले में 76.34 प्रतिशत, रामनगर जिले के 86.39 प्रतिशत, चीकबालपुर जिले में 98.26 प्रतिशत, तुमकुर जिले में 96.47 प्रतिशत, उत्तर कन्नड़ जिले में 87.62 प्रतिशत, और कर्नाटक के हसन जिले में 61.08 प्रतिशत, विभिन्न हितधारको ने सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा सृजित बुनियादि व अन्य सुविधाओ के सृजन के प्रभाव के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्रस्तुत किये हैं, जिसका अर्थ है सभी विचार एवं अनुभव 80 प्रतिशत से अधिक हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.8–1.18 का अवलोकन करें।)
- तमिलनाडू राज्य के थिरूवन्नामालय जिले के वेम्बाक्कम तालुक में 80.87 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव की अभिव्यक्ति की हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.7 का अवलोकन करें।)

(Dr. K.S. Rao)

- उत्तराखण्ड राज्य के कोटद्वार एवं पौढ़ीगढ़वाल जिले के सरकारी विद्यालयों में 58.09 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव के सन्दर्भ में से सकारात्मक विचार कि अभिव्यक्ति की हैं। इसका तात्पर्य यह कि उपरोक्त सन्दर्भ में प्रभाव के अनुभवों की सन्तोषजनक अभिव्यक्ति की गयी हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.5 का अवलोकन करें।)
- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के महाराजपुर सरकारी विद्यालय में 50.43 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के प्रभाव के सन्दर्भ में से सकारात्मक सन्तोषजनक विचार एवं अनुभव कि अभिव्यक्ति की हैं। इसका तात्पर्य यह कि उपरोक्त सन्दर्भ में प्रभाव के अनुभवों की सन्तोषजनक अभिव्यक्ति की गयी हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.4 का अवलोकन करें।)
- हरियाणा राज्य के मन्धाना पंचकुला जिले के सरकारी विद्यालयों के 84.35 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं। इसका तात्पर्य यह कि हरियाणा राज्य से उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव कि अभिव्यक्ति की गयी हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.2 का अवलोकन करें।)
- अन्ततः महाराष्ट्र राज्य के सतारा एवं पूणे जिले के सरकारी विद्यालयों में 13.91 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयो में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के प्रभाव के सन्दर्भ में सकारात्मक विचार कि अभिव्यक्ति की गयी हैं। इसका तात्पर्य यह कि प्रभाव के दृष्टिकोण से महाराष्ट्र राज्य में असन्तोषजनक के विचार एवं अनुभव प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.3 का अवलोकन करें।)

  निष्कर्ष रूप से प्रभाव के सन्दर्भ में महाराष्ट्र राज्य से अत्यन्त असन्तोषजनक अनुभवों की अभिव्यक्ति प्राप्त हुई है। इसी के क्रम में बुनियादी सुविधाओं व अन्य सुविधाओं के सृजन के प्रभाव के सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड राज्य से सन्तोषजन स्तर के अनुभवों की अभिव्यक्ति प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त शेष 143 विद्यालयो में बेल द्वारा अवस्थापना एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के क्रम में उत्कृष्ट श्रेणी के अनुभवों की अभिव्यक्ति प्राप्त हुई हैं।

(Dr. K.S. Rao)

3.5 परिणाम–:

बेल द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों में बुनियादि ढांचे व अन्य सुविधाओं के सृजन परिणाम के कार्य का आकंलन एक विचारणीय गुणात्मक पहलू है।

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ का आकंलन करने का प्रयास किया है। क्या परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन के उद्देश्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है? और क्या बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप सरकारी विद्यालयों की सामाजिक स्थिति में उन्नति हुई है? और क्या शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के संचालन में इन विद्यालयों को भी चिन्हित किया गया है? और क्या बेल ने एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के उदेंश्य एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है?

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों अध्यापकों, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों से हमने उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है।

बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम के सन्दर्भ में कर्नाटक राज्य के कोलार एवं हसन जिले से तथा उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड राज्यों से कुछ सीमा तक सकारात्मक व अच्छे स्तर के उत्तर प्राप्त हुए है। इसी क्रम पौडी गढ़वाल जिले के 5 विद्यालयों से, कोलार जिले के दो विद्यालयों से, हसन जिले के 01 विद्यालय व उत्तर प्रदेश के 01 विद्यालय से कुछ सीमा तक अच्छे स्तर के उत्तर प्राप्त हुए है।

अन्य जिलों के तुलनात्मक अध्ययन में शेष 141 विद्यालयों में बेल द्वारा बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिपेक्ष्य के परिणाम के सन्दर्भ में सर्वेक्षण के अन्तर्गत अति उत्तम श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए है।

(Dr. K.S. Rao)

अध्याय– चार

परियोजना के सर्वव्यापक प्रभाव

4.1 अल्पकालिक दीर्घकालिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभः

बेल द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों में बुनियादी ढांचे व अन्य सुविधाओं के सृजन परिणाम के कार्य का आकंलन एक विचारणीय गुणात्मक पहलू है।

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ का आकंलन करने का प्रयास किया है। क्या परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन के उद्देश्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है? और क्या बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप सरकारी विद्यालयों की सामाजिक स्थिति में उन्नति हुई है? और क्या शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के संचालन में इन विद्यालयों को भी चिन्हित किया गया है? और क्या बेल ने एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के उदेंश्य एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है?

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों अध्यापकों, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों से हमने उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है।

- आन्ध्रप्रदेश राज्य के मछलीपतनम जिले के 94.53 प्रतिशत विभिन्न हितधाराकों ने सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम सन्दर्भ में सकारात्मक अनुभवों की अभिव्यक्ति की हैं। इसका तात्पर्य यह कि आध्रप्रदेश राज्य से उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक उत्तर प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.6 का अवलोकन करें।)
- कर्नाटक राज्य में शाहपुर तालुका के औसत 94.69 प्रतिशत, शोरापुर तालुका के 84.95 प्रतिशत, यादगिर जिले के यादगिर तालुका के 85.95 प्रतिशत तत्पश्चात बैंगलोर जिले के हासकोटे तालुक, हिब्बल तालुक, नीलामंगला तालुक के 80.63 प्रतिशत, शिमोगा जिले में 85.48 प्रतिशत, कोलार जिले में 64.52 प्रतिशत, रामनगर जिले में 70.49 प्रतिशत, चीकबालपुर जिले में 87.83 प्रतिशत, तुमकुर जिले में 84.71 प्रतिशत, उत्तर

(Dr. K.S. Rao)

कन्नड़ जिले में 88.52 प्रतिशत, और कर्नाटक के हसन जिले में 62.35 प्रतिशत, विभिन्न हितधारको ने सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा सृजित बुनियादी व अन्य सुविधाओ के सृजन के परिणाम के सन्दर्भ में उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव प्रस्तुत किये हैं, जिसका अर्थ है सभी विचार एवं अनुभव 80 प्रतिशत से अधिक हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.8–1.18 का अवलोकन करें।)

- तमिलनाडू राज्य के थिरूवन्नामालय जिले के वेम्बाक्कम तालुक में 72.17 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम के सन्दर्भ में सकारात्मक उत्तर की अभिव्यक्ति दी है। इसका तात्पर्य यह कि तमिलनाडू राज्य से उत्कृष्ट श्रेणी के सकारात्मक उत्तर प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.7 का अवलोकन करें।)
- उत्तराखण्ड राज्य के कोटद्वार एवं पौढ़ीगढ़वाल जिले के सरकारी विद्यालयों में 67.16 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम के सन्दर्भ में से सकारात्मक विचार कि अभिव्यक्ति की हैं। इसका तात्पर्य यह कि उपरोक्त सन्दर्भ में परिणाम के अनुभवों की सन्तोषजनक अभिव्यक्ति की गयी हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.5 का अवलोकन करें।)
- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के महाराजपुर सरकारी विद्यालय में 61.74 प्रतिशत विभिन्न हितधारकों ने बेल द्वारा सृजित बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम के सन्दर्भ में से सकारात्मक उत्तर दिये है। इसका तात्पर्य यह कि उत्तर प्रदेश में उपरोक्त सन्दर्भ में परिणाम के अच्छे स्तर के उत्तरों कि अभिव्यक्ति की गयी हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.4 का अवलोकन करें।)
- हरियाणा राज्य के मन्धाना पंचकुला जिले के सरकारी विद्यालयों के 95.65 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम के सन्दर्भ में सकारात्मक उत्तर प्राप्त हुए हैं। इसका तात्पर्य यह कि हरियाणा राज्य से उत्कृष्ट श्रेणी के विचार एवं अनुभव कि अभिव्यक्ति की गयी हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.2 का अवलोकन करें।)
- अन्ततः महाराष्ट्र राज्य के सतारा एवं पूणे जिले के सरकारी विद्यालयों में 95.65 प्रतिशत विभिन्न हितधारको ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयो में बुनियादी एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम के सन्दर्भ में सकारात्मक उत्तर प्राप्त हुए हैं। इसका तात्पर्य यह कि प्रभाव के

(Dr. K.S. Rao)

दृष्टिकोण से महाराष्ट्र राज्य में उत्कृष्ट श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए हैं। (सलंग्नक 1 में सारिणी न0 1.3 का अवलोकन करें।)

निष्कर्षतः कर्नाटक में कोलार जिले के 2 विद्यालयों में, हसन जिले के एक विद्यालय में, उत्तराखण्ड राज्य के पौढ़ी जिले के 5 सरकारी विद्यालयों और उत्तर प्रदेश के 1 सरकारी विद्यालय से अच्छी श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए है। अन्य जिलों की तुलना में बेल द्वारा विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में बुनियादी व अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम के सन्दर्भ में शेष 141 विद्यालयों उत्कृष्ट श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए हैं।

4.2 अध्ययन की सीमा

अध्ययन की मुख्य अन्तरनिहित सीमा महाराष्ट्र राज्य में चयनित सैनिक विद्यालय की है। यह विद्यालय सार्वजनिक अधिकारी व अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों हेतु प्रतिबन्धित है। जिनके साथ विद्यालय के प्रधिकारी सूचनाओं का आदान प्रदान नहीं करना चाहते हैं।

- कर्नाटक राज्य के यादगिर जिले के दो सरकारी विद्यालय ऐसे है जहाँ हाल ही में बेल द्वारा बुनियादी सुविधाओं से सम्बन्धित फर्नीचर, डेस्क, मेज, इत्यादि प्राप्त हुए हैं। इस कारण वह विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं के अन्तर्गत आने वाली सुविधाओं सुव्यवस्थित नहीं कर पाये है। उपरोक्त दृष्टिकोण से परियोजना परिणाम मूल्यांकन के स्थिति में नहीं हैं।

4.3 अल्पकालिक परिणाम

- वर्तमान विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी से सम्बनधित सुविधाएँ जैसे स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर लैपटाप व अन्य बुनियादी सुविधाऐं तत्काल प्राप्त हो जाएँगी।
- वर्तमान में विद्यार्थियों को स्पष्टतः उत्तम अंक प्राप्त होगे ।
- विद्यार्थियों के पंजीकरण में वृद्वि होगी।
- विद्यार्थियों के उपस्थिति में वृद्वि होगी।
- विद्याथियों की अध्ययन में रूचि में वृद्वि होगी ।
- सरकारी विद्यालयों में आधुनिक शिक्षा की बुनियादी सुविधा उपलब्ध हो जाने से माता पिता द्वारा शिक्षा में व्यय की जाने वाली धनराशि में कमी होगी। (स्मार्ट कक्षाएँ, कम्प्यूटर इत्यादि)
- माता पिता का ध्यान सरकारी विद्यालयों की तरफ विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु आकर्षित होगा।

(Dr. K.S. Rao)

4.4 दीर्घकालिक परिणाम

- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।
- सूचना प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित बुनियादी सुविधाऐं उपलब्ध होने के कारण अध्ययन समाप्त होने के पश्चात् विद्यार्थियों को तत्काल रोजगार प्राप्त हो सकेगा।
- विद्यालय की प्रतिष्ठा में समाज में वृद्वि होगी।
- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।
- अध्यापक एवं अध्यपिकाओं की गुणवत्ता सुधार होगा।
- विद्यालय में शिक्षा का अनुकूल वातावरण बना रहेगा।
- उपरोक्त विद्यालयों बोर्ड परीक्षा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन हेतु चिन्हित किया जाऐगा।
- सुरक्षित पेयजल सुविधाओं की उपलब्धि के कारण स्वास्थ्य में सुधार होगा।
- उत्तम श्रेणी के शौचालयों की उपलब्धि के कारण विद्यालयों में स्वच्छ परिवेश की उन्नति होगी।
- बच्चों में स्वास्थ्य सम्बन्धित बीमारी व संक्रमित बीमरियों में कमी होगी।
- दीर्घकाल में विद्यार्थियों को अच्छे रोजगार की प्राप्ति होगी एवं माता पिता की परिवारिक आय में स्वतः वृद्वि होगी।
- समाज के जीवन स्तर में सुधार होगा।
- समाज में जीवकोर्पाजन स्थिति में सुधार होगा।
- विद्यालय का परिवेश सरल हो जायेगा।

4.5 अप्रत्यक्ष लाभः

- माता पिता द्वारा वर्तमान में किया गया व्यय भविष्य में उनकी आय का साधन होगा।
- सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं और अन्य सुविधाओं का अधिकाधिक लोगों को लाभ प्राप्त होगा।
- माता पिता के प्रोत्साहन में वृद्वि होगी।
- विद्यार्थियों व देश भर के विद्यालयों में प्रतियोगिता की प्रवृत्ति में वृद्वि होगी।
- समाज के मापदंड एवं जीवन स्तर में सुधार होगा।
- विद्यालय का परिवेश सरल हो जायेगा।

(Dr. K.S. Rao)

अध्याय–पांच

सारांश और निष्कर्ष

भारत इलेक्ट्रानिक लि0 द्वारा निगम समाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत भारत के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में अवस्थापन और अन्य सुविधाओं के सृजन परिणाम का मूल्याकंन और इसकी उपयोगिता प्रभाव एवं सत्त प्रयोग के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष पहलू का परीक्षण एक महत्वपूर्ण विषय हैं। बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में सृजित सुविधाओं के परिणाम का मूल्यांकन विशेष रूप से निम्न अवयवों के रूप में किया जा सकता है।

आधारभूत संरचना में कक्षा सहित विद्यालय का भवन, चाहर दीवारी सहित प्रवेश द्वारा, रसोई एवं भण्डारगृह, प्रार्थना सभा में टाइल्स द्वारा फर्श का सौन्दर्यीकरण, शौचालयों में पाइप सहित स्वच्छता सुविधा (कम्बोड, फ्लश टैंक,नल, की टोटी वाशबेशिन इत्यादि)। दरवाजे एवं खिड़कियाँ बिजली की फीटिंग, एग्जोस्ट पंखा, दर्पण सेफ्टी टैंक, सोकपिट, शुद्व पेयजल जालीदार खिड़की, फर्नीचर (युग्म डेस्क, बेंच और डेस्क, कार्यालय हेतु मेज, कुर्सी, छत का पंखा अलमारी, इत्यादि) पुस्तकालय, खेलकूद की सुविधा पेयजल की सुविधा, हाथ धोने की सुविधा, स्मार्ट कक्षाऐं, सूचना प्रौद्योगिकी से संबन्धित बुनियादि सुविधाऐं अन्य वर्षा जल संचयन, पी0वी0सी शेड इत्यादि। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत विभिन्न कार्यो के निष्पादन के परिणाम स्वरूप मुख्य लाभार्थी सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी एवं अध्यापक हैं। अन्य हितधाराकों में माता पिता, स्थानीय प्रशासन, शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को भी लाभार्थियों के श्रेणी में रखा जा सकता है। अध्ययन के क्षेत्र में संरचित प्रश्नावली का हिन्दी व अन्य स्थानीय भाषाओं (कन्नड़ तमिल, हिन्दी, तेलगू, मराठी) में तैयार करना है। और प्रशासित प्रश्नावली के माध्यम से विभिन्न हितधारकों से पारस्परिक क्रिया द्वारा परियोजना के विभिन्न अवयवों पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

संख्यात्मक प्रकिया के माध्यम से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत बुनियादि सुविधाओं पर किये गये व्यय के परिणामस्वरूप लाभार्थियों के जीवन पर पड़वे वाले परिवर्तन का अध्ययन किया गया है। गुणात्मक प्रक्रिया के माध्यम से मुख्य लाभार्थी (विद्यार्थी एवं सरकारी विद्यालय के कर्मचारी और हितधारक – माता पिता स्थानीय प्रशासन, शिक्षा विभाग) की रूपरेखा बनाकर बेल द्वारा प्रारम्भ किये गये सरकारी विद्यालयों में परियोजना के अन्तर्गत नवीनीकरण हेतु सूचना एवं विचारों को एकत्रित किया गया है।

(Dr. K.S. Rao)

वर्तमान परियोजना के अध्ययन हेतु सात राज्यों के 150 विद्यालयों को चयनित किया गया हैं। जिसके अन्तर्गत कर्नाटक के 134 विद्यालय, आन्ध्रप्रदेश के 7 विद्यालय, तमिलनाडु का 1 विद्यालय, उत्तराखंड के 5 विद्यालय, उत्तरप्रदेश हरियाणा महाराष्ट्र राज्य के 1 विद्यालय का चुनाव किया गया है। हमने 6 प्रश्नावली एवं केन्द्रीय समूह परिचर्चा के माध्यम से अध्ययन हेतु सूचनाओं को एकत्र करने का प्रयास किया है। विद्यालय विद्यार्थी, अध्यापक माता पिता शिक्षा विभाग के अधिकारी पंचायत राज्य प्रतिनिधियों हेतु अलग अलग प्रश्नावली संरचित की गयी है।

परिणाम का मूल्यांकन :

भारत के विभिन्न राज्यों में निगमों के सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत भारत इलेक्ट्रानिक्स लि0 (बेल) द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादि एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम के मूल्यांकन हेतु हमने विस्तृत रूप से 5 बिन्दुओं के आधार पर निष्कर्ष निकालने का प्रयास किया हैं।

5.1 प्रसांगिकता : क्या निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत देश के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में बुनियादि सुविधा व अन्य सुविधाओं का सृजन लाभार्थी संस्थाओं की अवश्यकताओं को पूर्ण करने में सफल हुआ हैं ? और इस तथ्य पर भी प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है कि बेल द्वारा प्रदान की गई बुनियादि सुविधाऐं एवं अन्य सुविधाऐं हितधारकों हेतु कितनी प्रसांगिक है और अन्य सृजित सुविधाओं के प्रति जागरूकता का स्तर क्या है।

प्रसांगिकता के सन्दर्भ में यह निष्कर्ष निकला की कर्नाटक के हसन विकास खण्ड के अतिरिक्त अन्य समस्त 149 विद्यालयों ने बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादि सुविधाऐं एवं अन्य सृजित सुविधाओं को उत्कृष्ट श्रेणी का प्रमाण दिया है।

5.2 सार्वजनिक उपयोगिता

निगमों के सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत देश के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में बुनियादि सुविधा व अन्य सुविधाओं के सृजन के सन्दर्भ में किस सीमा तक उनका प्रयोग विद्यालयों द्वारा नियमित किया जा रहा है। और विद्यालयों में सृजित बुनियादि सुविधाओं के आंशिक अथवा पूर्ण रूप से प्रयोग में न होने की अर्न्तनिहित सीमा क्या है? इस दृष्टिकोण से देश भर के चयनित विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों एवं हितधाराकों के निम्नंकित अनुभव प्राप्त हुए हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जिले के 5 चयनित विद्यालयों में बेल द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का असन्तोषजनक उपयोग हुआ है। इसकी तुलना में

(Dr. K.S. Rao)

कर्नाटक के हसन विकासखण्ड व उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले के सरकारी विद्यालयों में सृजित बुनियादि सुविधाओं व अन्य सुविधाओं का उपयोग अच्छे स्तर पर हुआ है। देश के विभिन्न राज्यों के 143 सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा सृजित बुनियादि सुविधाओं का प्रयोग औसत रूप से उत्कृष्ट स्तर पर हुआ है।

5.3 प्रचालन और अनुरक्षण

बुनियादि सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन का कार्य सुगमता पूर्वक किया जा सकता है, परन्तु सरकारी विद्यालयों में सूचना प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित बुनियादि सुविधाओं का प्रचालन और अनुरक्षण एक कठिन कार्य है। देश के सुदुरवर्ती क्षेत्रों में तकनीकी ज्ञान से सम्बद्व व्यक्ति प्रायः कम है। अतः सरकारी विद्यालयों में बुनियादि सुविधाओं और अन्य सुविधाओं का प्रचालन और अनुरक्षण और देश के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों में शौचलायों में प्रवाहित जल की सुविधा एवं हाथ धोने की सुविधा प्रदान करना महत्वपूर्ण कार्य है। उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों, अध्यापकों, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों से हमने उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है। देश के विभिन्न राज्यों के सरकारी विद्यालयों में प्रचालन और अनुरक्षण के दृष्टिकोण से बेल द्वारा सृजित बुनियादि सुविधाओं और अन्य सुविधाओं जैसे शौचालयों प्रवाहित जल एवं हाथ धोने की सुविधा के सन्दर्भ में समस्त चयनित सरकारी विद्यालयों के सर्वेक्षण में उच्च और अच्छे स्तर के उत्तरों अभिव्यक्ति प्राप्त हुई है।

5.4 प्रभाव :

विद्यालय की शिक्षा प्रणाली के अप्रत्यक्ष परिणाम के मूल्याकंन के आंकलन का कार्य एक दुःसाध्य कार्य है। इस अध्ययन में हमने एक निश्चित समयान्तराल में बेल द्वारा सरकारी विद्यालयों में बुनियादि सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिणाम स्वरूप विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन एवं परिणाम, बेल द्वारा सृजित सुविधाओं का दूरदर्शिता पूर्वक उपयोग और सुविधाओं की निरन्तरता बनाये रखने हेतु सर्वेक्षण का कार्य किया है। इस सन्दर्भ में विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियों, अध्यापकों, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों से हमने उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है।

बेल द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के प्रभाव के सन्दर्भ में महाराष्ट्र राज्य से अत्याधिक असन्तोषजनक परिणाम प्राप्त हुए है। इसी क्रम के सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य से सन्तोषजनक

(Dr. K.S. Rao)

अच्छे परिणाम प्राप्त हुए है। देश के विभिन्न राज्यो के शेष 143 सरकारी विद्यालयों में बेल द्वारा प्रदान की गई विभिन्न बुनियादी सुविधाओं और अन्य सुविधाओं के प्रभाव के सन्दर्भ औसत रूप से उत्कृष्ट श्रेणी से उत्तर प्राप्त हुए है।

5.5 परिणाम : बेल द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों में बुनियादि ढांचे व अन्य सुविधाओं के सृजन परिणाम के कार्य का आकंलन एक विचारणीय गुणात्मक पहलू है।

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ का आकंलन करने का प्रयास किया है। क्या परियोजना ने सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति के परिवेश में परिवर्तन के उद्देश्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलतास प्राप्त की है? और क्या बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादि सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम स्वरूप सरकारी विद्यालयों की सामाजिक स्थिति में उन्नति हुई है? और क्या शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के संचालन में इन विद्यालयों को भी चिन्हित किया गया है? और क्या बेल ने एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के उदेंश्य एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है?

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमने विद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों, विद्यार्थियो, अध्यापकों, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायत राज्य के प्रतिनिधियों से हमने उत्तर प्राप्त करने का प्रयास किया है।

बेल द्वारा प्रदत्त बुनियादि सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के परिणाम के सन्दर्भ में कर्नाटक राज्य के कोलार एवं हसन विकासखण्ड से तथा उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड राज्यों से कुछ सीमा तक सकारात्मक व अच्छे स्तर के उत्तर प्राप्त हुए है। इसी क्रम पौडी गढ़वाल जिले के 5 विद्यालयों से, कोलार विकासखण्ड के दो विद्यालयों से, हसन विकासखण्ड के 01 विद्यालय व उत्तर प्रदेश के 01 विद्यालय से कुछ सीमा तक अच्छे स्तर के उत्तर प्राप्त हुए है।

अन्य जिलों के तुलनात्मक अध्ययन में शेष 141 विद्यालयों में बेल द्वारा बुनियादि सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं के सृजन के परिपेक्ष्य के परिणाम के सन्दर्भ में सर्वेक्षण के अन्तर्गत अतिउत्तम श्रेणी के उत्तर प्राप्त हुए है।

(Dr. K.S. Rao)

5.6 सुझाव

- सरकार द्वारा वित्तीय सहयोग से अतिरिक्त विद्यालय भवन का निमार्ण किया जाना चाहिए जिसके परिणामस्वरूप अधिकतम संख्या में निर्धन विद्यार्थी इस प्रकार की विशिष्ट शिक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें।
- विद्यालयों के भवन का नवीनीकरण किया जाना चाहिए। और विद्यार्थीयों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- बेल को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति एवं प्रतियोगिता परीक्षा के कार्यक्रमों द्वारा अधिकाधिक संख्या में विभिन्न छात्रों को शिक्षा के अवसर प्रदान करना चाहिए।
- अधिकांश विद्यालयों छात्रों की गतिविधियों का ध्यान पूर्वक निरीक्षण हेतु सी0सी0टी0वी0 कैमरे की आवश्यकता का अनुभव करते है। इसके अतिरिक्त विद्यालय के बचाव व सुरक्षा की दृष्टि से भी यह आवश्यक है। वस्तुओं के चोरी एवं गुम हो जाने का खतरा बना रहता है, जिसकों सी0सी0टी0वी0 कैमरे द्वारा नियंत्रित एवं दूर किया जा सकता है।
- समस्त शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा आवश्यक और अनिवार्य होना चाहिए।
- अधिकांश विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षकों की गम्भीर आवश्यकता है। बेल द्वारा प्रदत्त वित्तीय अनुदान के माध्यम से कम से कम अंशकालिक कम्प्यूटर शिक्षकों की अपेक्षित विद्यालयों में व्यवस्था की जानी चाहिए।
- नियमित सूचना प्राप्त करने के लिए माडल साफ्टवेयर का विकास किया जाना चाहिए।
- दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्राथमिक शिक्षा हेतु आवागमन सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।
- उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य जहाँ पर अधिकांश राज्यों की तुलना में साक्षरता का प्रतिशत कम है अतः बेल को उत्तर प्रदेश राज्य में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं की सुविधा हेतु और अधिक मात्रा में वित्तीय सहायता प्रदान करना चाहिए।
- विद्यालयों में बुनियादि सुविधाओं और अन्य सुविधाओं के नियमित प्रचालन और अनुरक्षण के विषय में पूर्वोपाय पर भी विचार अति आवश्यक है। उदाहरण स्वरूप कर्नाटक के यादगिर जिले के विद्यालय में बेल द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं को व्यवस्थित करने के लिए शुरूआत नहीं किया गया।

(Dr. K.S. Rao)

अनुलग्नक –1

सरकारी विद्यालयों में बेल के अन्तक्षेप के परिणाम के आकंलन हेतु राज्यवार संकेतक एवं चयनित हितधारक (सारिणी 1.1 –1.7)

सारिणी– 1.2
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– हरियाणा

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	100 (100)	100 (100)	100 (100)	82 (82.00)	95 (95.00)	100 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	8 (100)	8 (100)	8 (100)	8 (100)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुल योग प्रतिशत	115 (100)	115 (100)	115 (100)	97 (84.35)	110 (95.65)	115 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–1 हरियाणा में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

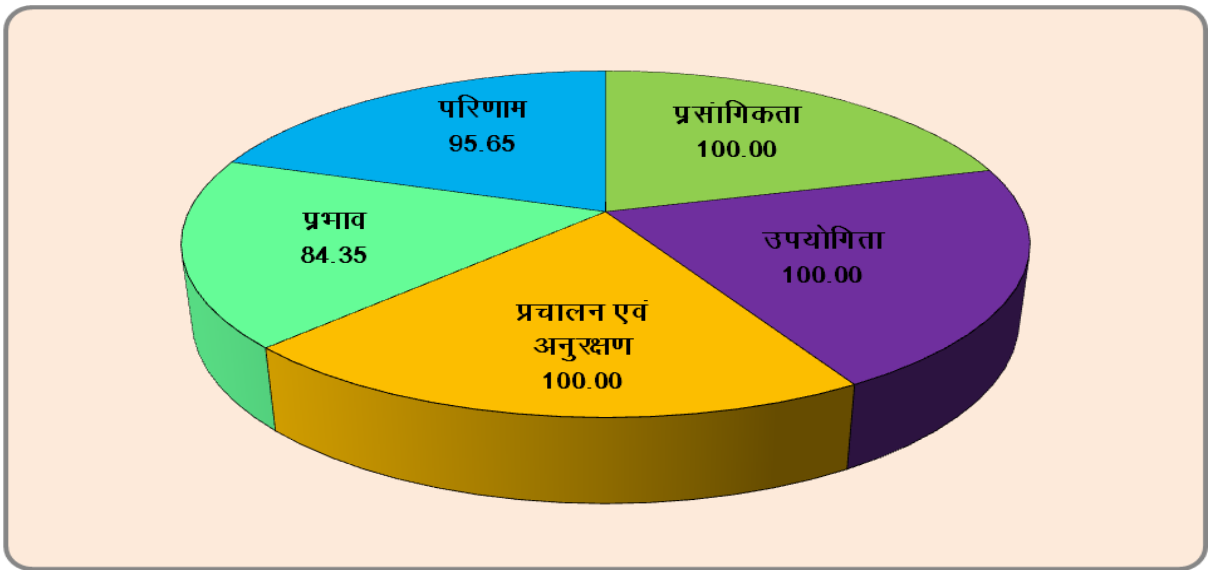

सारिणी– 1.3

विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– महाराष्ट्र

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1.	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	100 (100)	100 (100)	95 (95.00)	100 (100)	98 (98.00)	100 100
3	अध्यापक	2 (100)	1 (50)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	7 (88.00)	8 (100)	8 (100)	8 (100)	5 (63.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	0 (00.00)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	112 (97.39)	114 (99.13)	110 (95.65)	16 (13.91)	110 (95.65)	115 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते ळें

चार्ट–2 महाराष्ट्र में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

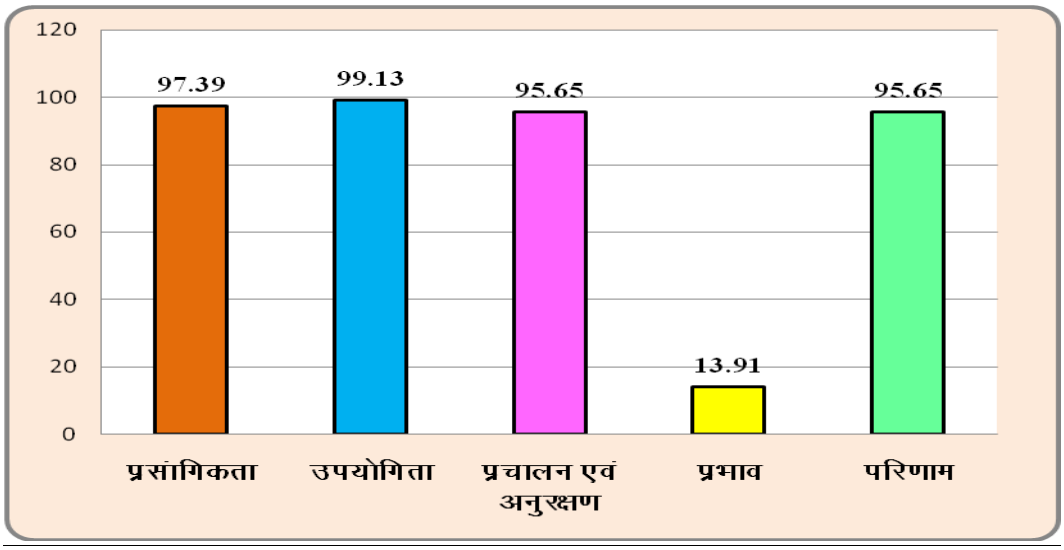

सारिणी– 1.4

विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– उत्तर प्रदेश

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	99 (99.00)	65 (65.00)	86 (86.00)	43 (43.00)	60 (60.00)	100 (100)
3	अध्यापक	1 (50.00)	1 (50.00)	2 (100)	2 (100)	1 (50.00)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	8 (100)	8 (100)	8 (100)	5 (62.50)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुल योग प्रतिशत	113 (98.26)	79 (68.70)	101 (87.83)	58 (50.43)	71 (61.74)	115 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–3 उत्तर प्रदेश में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

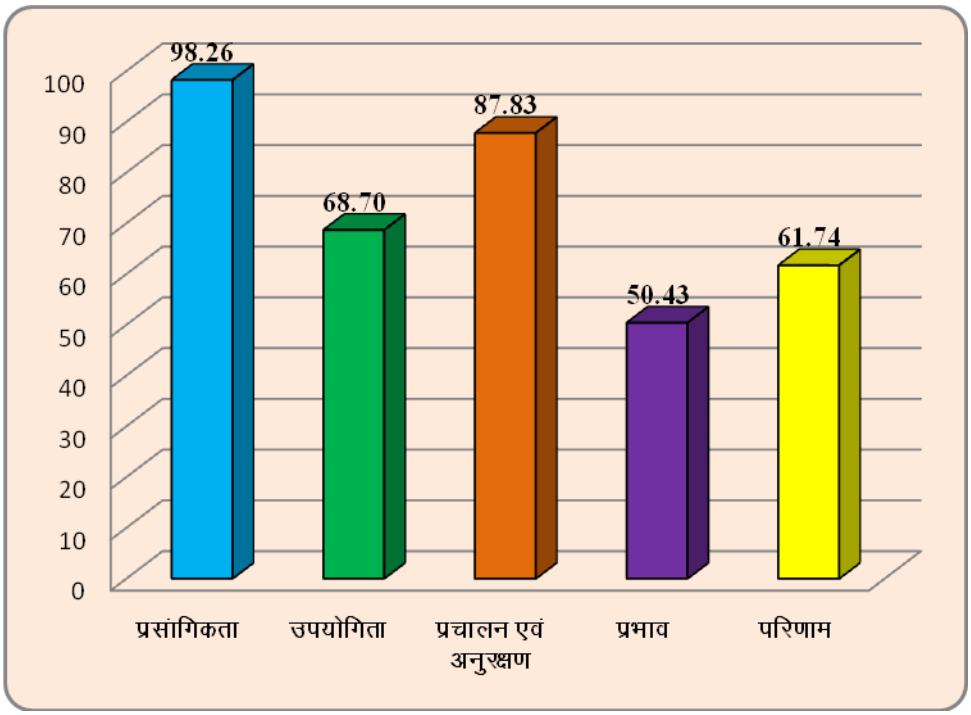

सारिणी– 1.5
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– उत्तराखण्ड

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	5 (100)	5 (100)	5 (100)	5 (100)	5 (100)	5 (100)
2	विद्यार्थी	299 (89.79)	122 (36.64)	217 (65.17)	164 (49.25)	201 (60.36)	333 (100)
3	अध्यापक	10 (100)	5 (50.00)	10 (100)	8 (80.00)	8 (60.00)	10 (100)
4	माता–पिता	40 (100)	40 (100)	40 (100)	40 (100)	40 (100)	40 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	10 (100)	10 (100)	10 (100)	10 (100)	10 (100)	10 (100)
6	सरकारी अधिकारी	6 (60.00)	6 (60.00)	10 (100)	10 (100)	10 (100)	10 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	370 (90.69)	188 (46.08)	292 (71.57)	237 (58.09)	274 (67.16)	408 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–4 उत्तराखण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

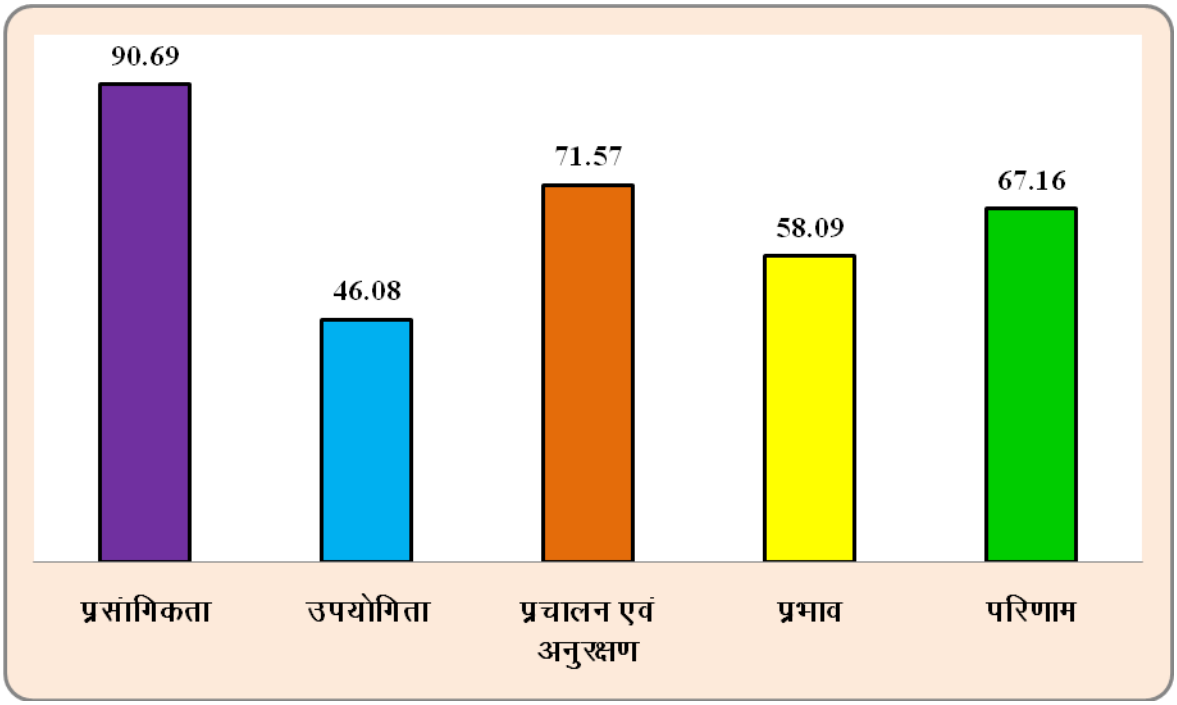

सारिणी– 1.6
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– आन्ध्र प्रदेश

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	7 (100)	6 (85.71)	6 (85.71)	6 (85.71)	6 (85.71)	7 (100)
2	विद्यार्थी	595 (97.86)	428 (70.39)	580 (95.39)	331 (54.44)	574 (94.41)	608 (100)
3	अध्यापक	10 (71.43)	10 (71.43)	11 (78.57)	12 (85.71)	14 (100)	14 (100)
4	माता–पिता	56 (100)	52 (92.86)	55 (98.21)	56 (100)	52 (92.86)	56 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	14 (100)	14 (100)	13 (92.86)	14 (100)	14 (100)	14 (100)
6	सरकारी अधिकारी	14 (100)	14 (100)	14 (100)	14 (100)	14 (100)	14 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	696 (97.62)	524 (73.49)	679 (95.23)	433 (60.73)	674 (94.53)	713 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–5 में आन्ध्र प्रदेश में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

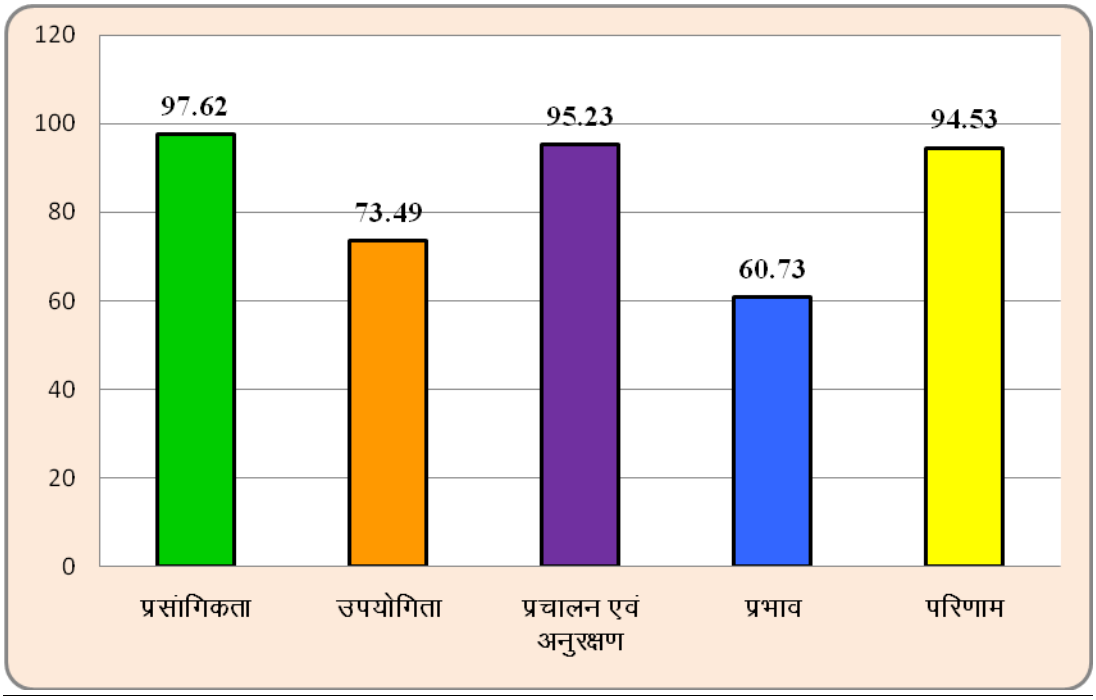

सारिणी– 1.7
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– तमिलनाडू

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	90 (90.00)	100 (100.00)	70 (70.00)	80 (80.00)	70 (70.00)	100 (100.00)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	6 (75.00)	5 (62.50)	6 (75.00)	6 (75.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	1 (50.00)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	105 (91.30)	113 (98.26)	81 (70.43)	93 (80.87)	83 (72.17)	115 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–6 में तमिलनाडू में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

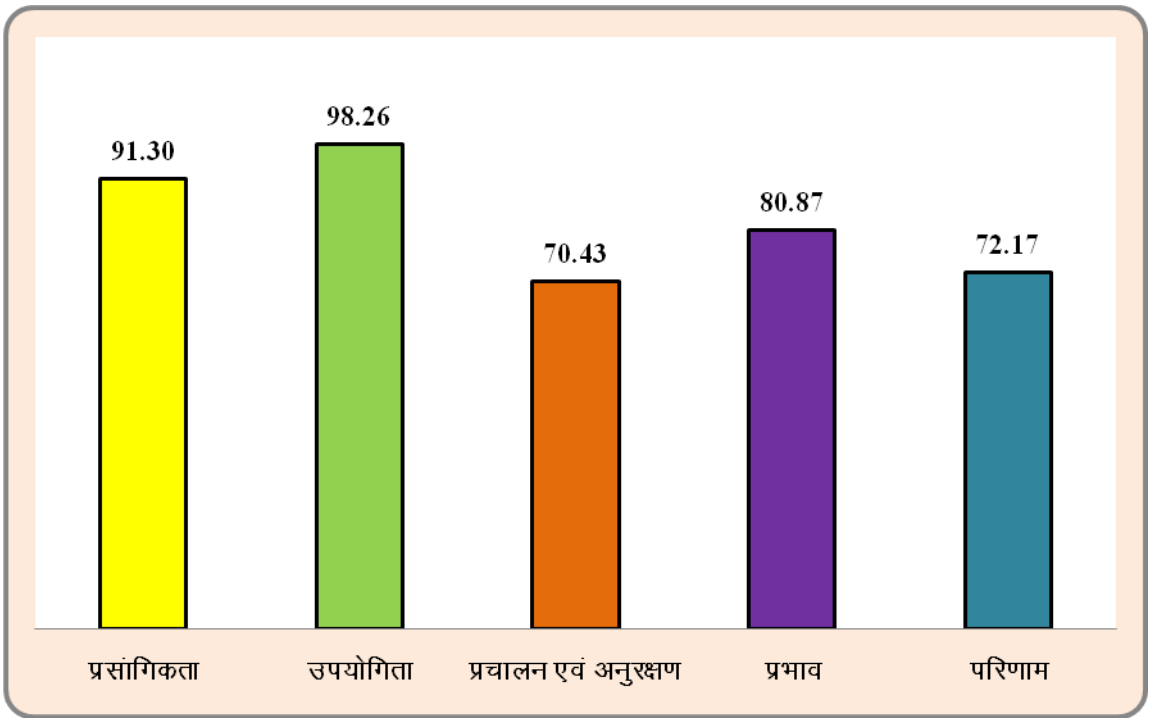

सारिणी– 1.8

विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम– 1 शाहपुर

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	38 (100.00)	38 (100.00)	38 (100.00)	38 (100.00)	38 (100.00)	38 (100.00)
2	विद्यार्थी	3100 (96.64)	3300 (96.49)	3000 (87.72)	3400 (99.42)	3400 (99.42)	3420 (100)
3	अध्यापक	62 (81.58)	70 (92.11)	68 (89.47)	70 (92.11)	70 (92.11)	76 (100)
4	माता–पिता	250 (82.24)	20 (6.58)	10 (3.29)	160 (52.63)	180 (59.21)	304 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	60 (78.95)	10 (13.16)	30 (39.47)	40 (62.63)	50 (65.79)	76 (100)
6	सरकारी अधिकारी	60 (78.95)	20 (76.32)	30 (39.47)	50 (65.79)	40 (62.63)	76 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	3570 (89.47)	3458 (86.67)	3176 (79.60)	3758 (94.19)	3778 (94.69)	3990 (100.00)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (i) में कर्नाटक शाहपुर विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

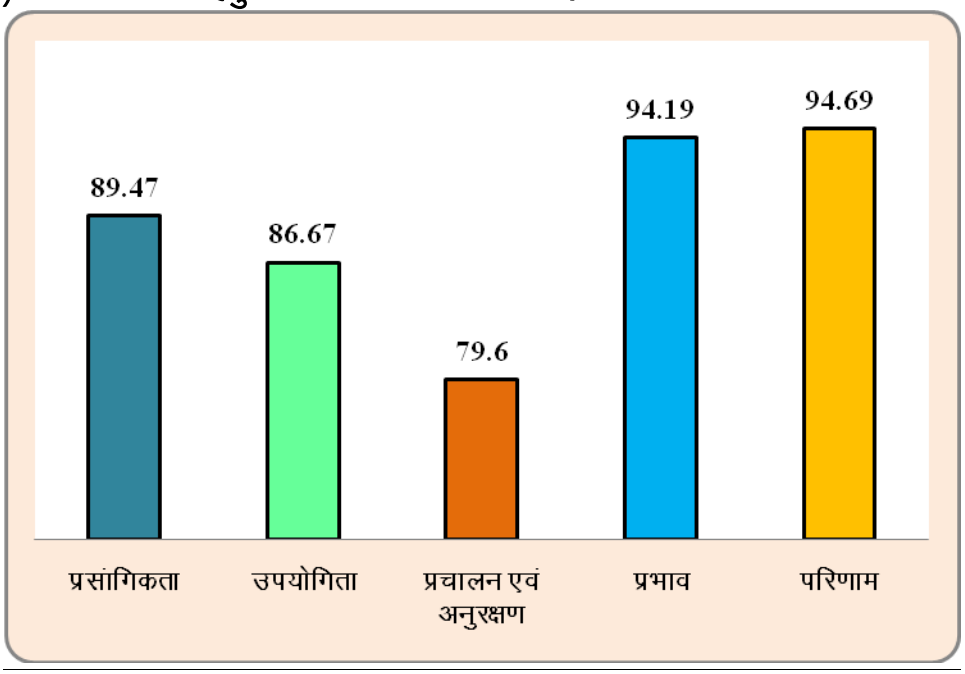

सारिणी– 1.9

विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम– 2 शोरापुर

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	45 (100)	45 (100)	38 (84.44)	38 (84.44)	38 (84.44)	45 (100)
2	विद्यार्थी	4000 (98.64)	3900 (96.18)	3700 (91.25)	3800 (93.71)	3600 (88.78)	4055 (100)
3	अध्यापक	80 (88.89)	70 (77.78)	75 (83.33)	70 (77.78)	60 (66.67)	90 (100)
4	माता–पिता	300 (83.33)	180 (50.00)	100 (22.78)	180 (50.00)	200 (55.56)	360 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	70 (77.78)	40 (44.44)	40 (44.44)	60 (66.67)	60 (66.67)	90 (100)
6	सरकारी अधिकारी	80 (88.89)	60 (66.67)	50 (55.56)	60 (66.67)	60 (66.67)	90 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	4575 (96.72)	4295 (90.80)	4003 (84.63)	4208 (88.96)	4018 (84.95)	4730 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (ii) में कर्नाटक के शोरापुर विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

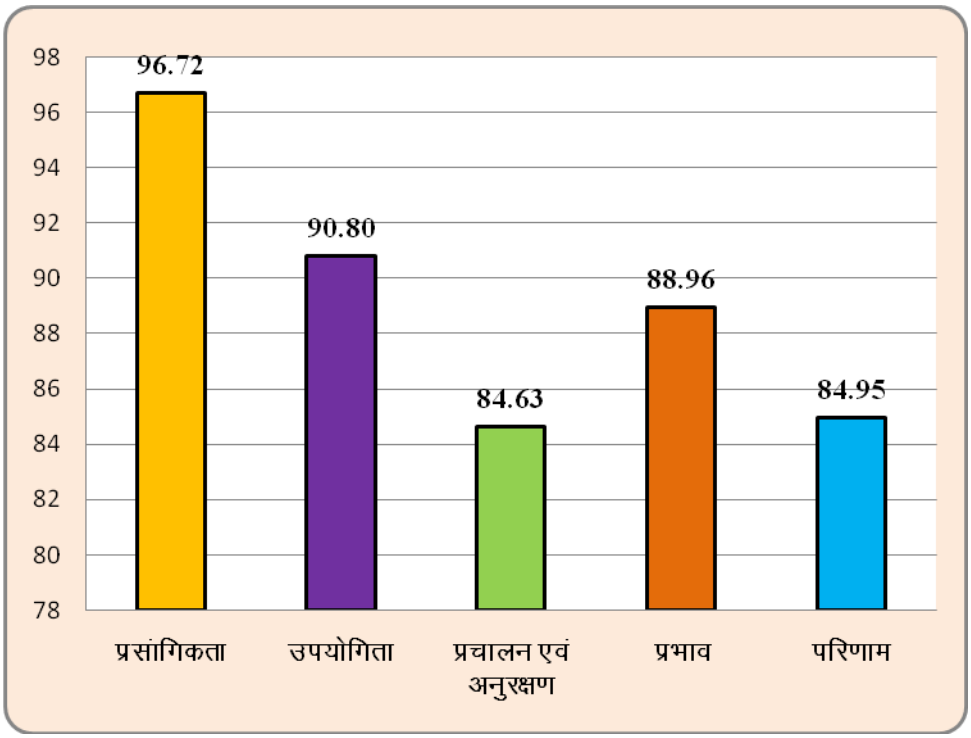

सारिणी– 1.10
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम– 3 यादगिर

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	38 (97.44)	38 (97.44)	38 (97.44)	38 (97.44)	38 (97.44)	39 (100)
2	विद्यार्थी	3500 (97.82)	3400 (95.03)	3300 (92.23)	3400 (95.03)	3200 (89.44)	3578 (100)
3	अध्यापक	70 (89.74)	60 (76.92)	76 (97.44)	60 (76.92)	50 (64.10)	78 (100)
4	माता–पिता	250 (80.13)	120 (38.46)	70 (22.44)	180 (57.69)	200 (64.10)	312 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	60 (76.92)	40 (51.28)	40 (51.28)	50 (64.10)	40 (51.28)	78 (100)
6	सरकारी अधिकारी	70 (89.74)	40 (51.28)	50 (64.10)	60 (76.92)	50 (64.10)	78 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	3988 (95.80)	3698 (88.83)	3574 (85.85)	3788 (90.99)	3578 (85.95)	4163 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (iii) में कर्नाटक के यादगिर विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

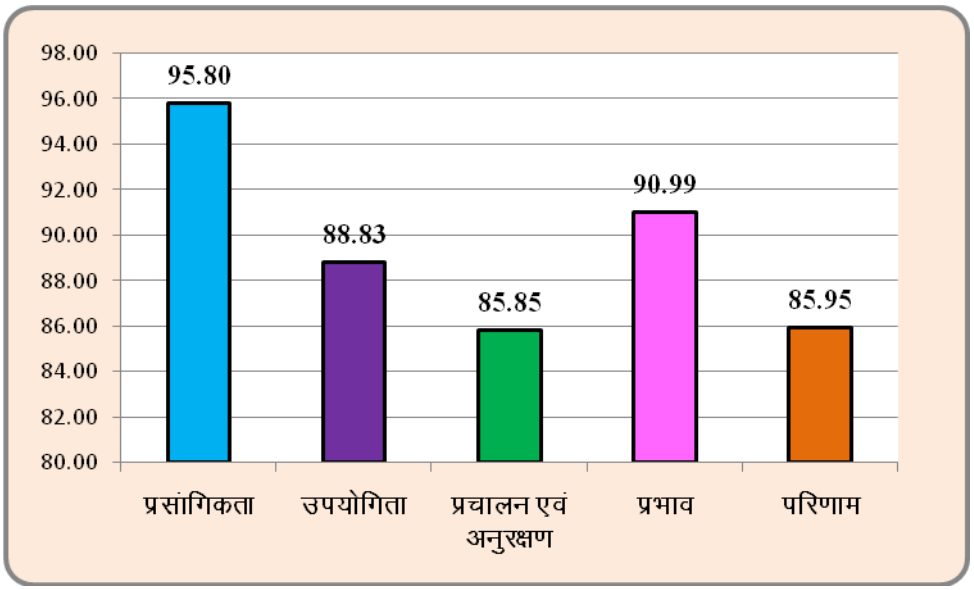

सारिणी–1.11
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

जिला – बैगलोर

विकास खण्ड का नाम– 4 होसकोटे, 5 हिब्बल, 6 नीलामगंनला

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)
2	विद्यार्थी	250 (98.04)	255 (100)	220 (86.27)	240 (94.12)	200 (78.43)	255 (100)
3	अध्यापक	8 (100)	8 (100)	4 (50.00)	4 (50.00)	4 (50.00)	8 (100)
4	माता–पिता	30 (93.75)	30 (93.75)	20 (62.50)	30 (93.75)	30 (93.75)	32 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	8 (100)	6 (75.00)	6 (75.00)	8 (100)	8 (100)	8 (100)
6	सरकारी अधिकारी	8 (100)	5 (62.50)	6 (75.00)	8 (100)	8 (100)	8 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	308 (97.78)	308 (97.78)	260 (82.54)	294 (93.33)	254 (80.63)	315 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (iv) में कर्नाटक के होसकोटे, हिब्बल, नीलामगंनला, विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

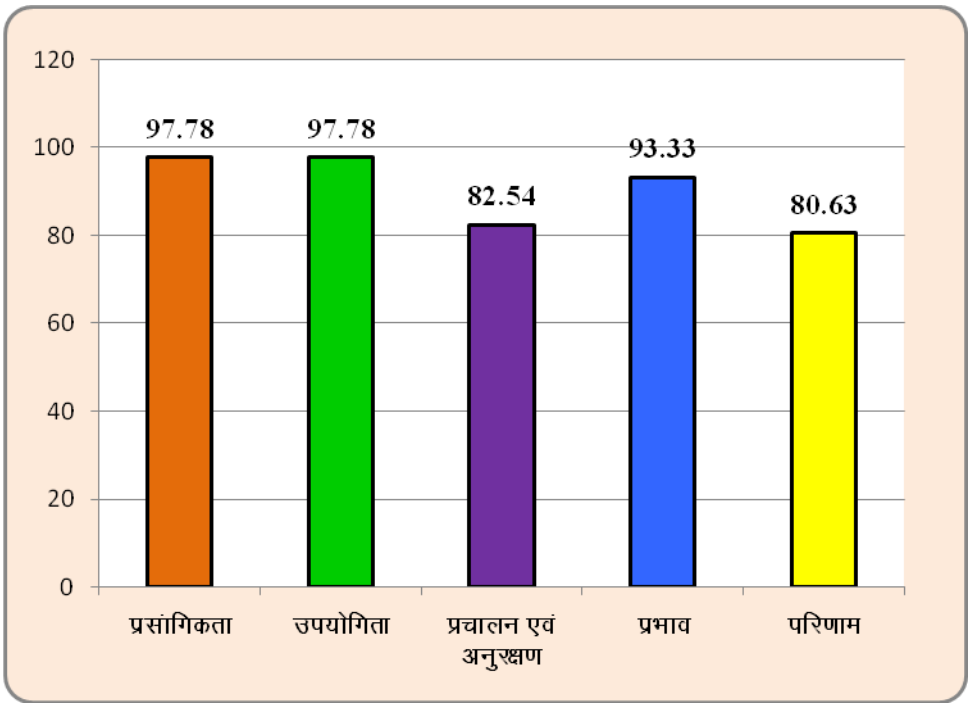

सारिणी– 1.12
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 7 शिमोगा

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	47 (100)	47 (100)	47 (100)	45 (95.74)	40 (85.11)	47 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	6 (75.00)	5 (62.50)	6 (75.00)	6 (75.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	62 (100)	60 (96.77)	59 (95.16)	58 (93.55)	53 (85.48)	62 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (v) में कर्नाटक के शिमोगा विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

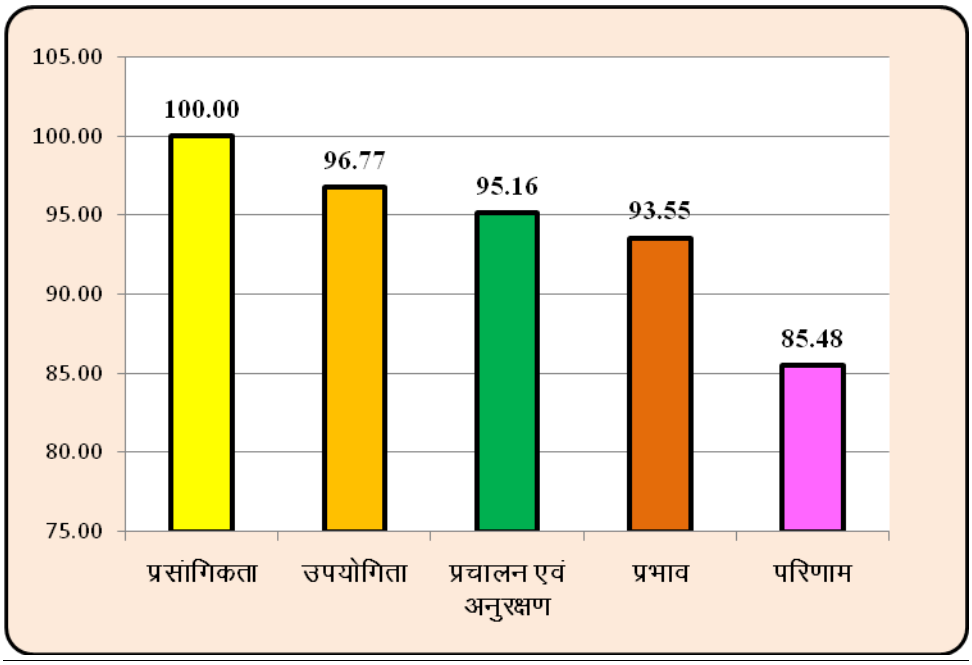

सारिणी– 1.13
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 8 कोलार

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
2	विद्यार्थी	60 (95.24)	63 (100)	60 (95.24)	50 (79.37)	40 (63.49)	63 (100)
3	अध्यापक	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)
4	माता–पिता	14 (87.50)	10 (62.50)	6 (37.50)	8 (50.00)	8 (50.00)	16 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)	4 (100)
6	सरकारी अधिकारी	4 (100)	4 (100)	2 (50.00)	3 (75.00)	2 (50.00)	4 (100)
7	कुल योग प्रतिशत	88 (94.62)	87 (93.55)	78 (83.87)	71 (76.34)	60 (64.52)	93 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (vi) में कर्नाटक के कोलार विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

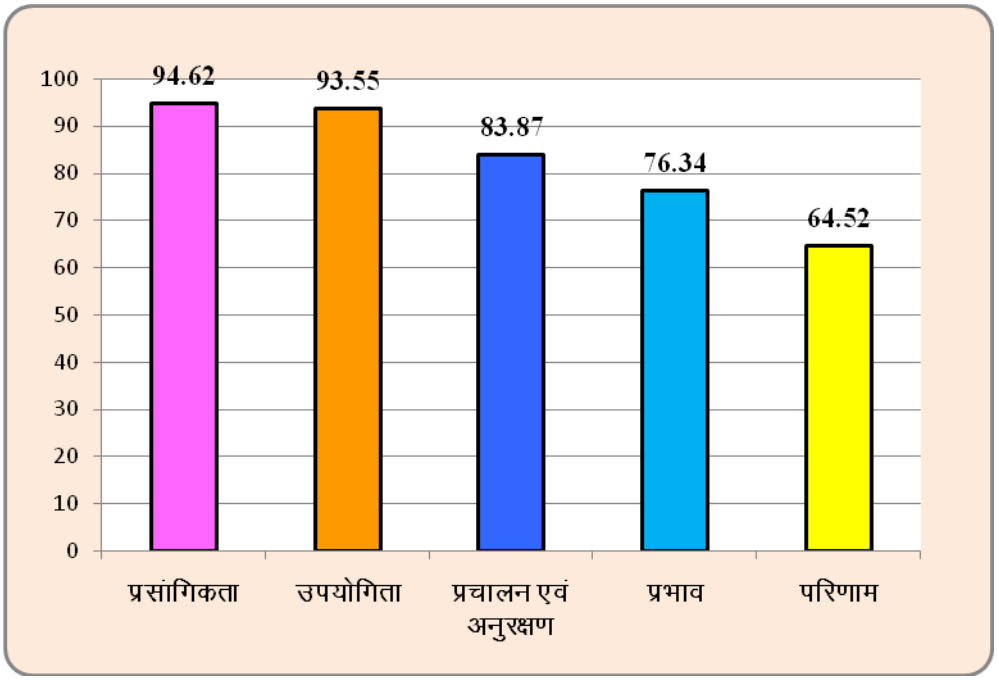

सारिणी– 1.14
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 9 रामनगर

क्रम	चयनित	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या

संख्या	प्रतिनिधियों का नाम	प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	45 (97.83)	46 (100)	35 (76.09)	40 (89.96)	30 (65.22)	46 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	6 (75.00)	5 (62.50)	6 (75.00)	6 (75.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुल योग प्रतिशत	60 (98.36)	59 (96.72)	47 (77.05)	53 (86.89)	43 (70.49)	61 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (vii) में कर्नाटक के रामनगर विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

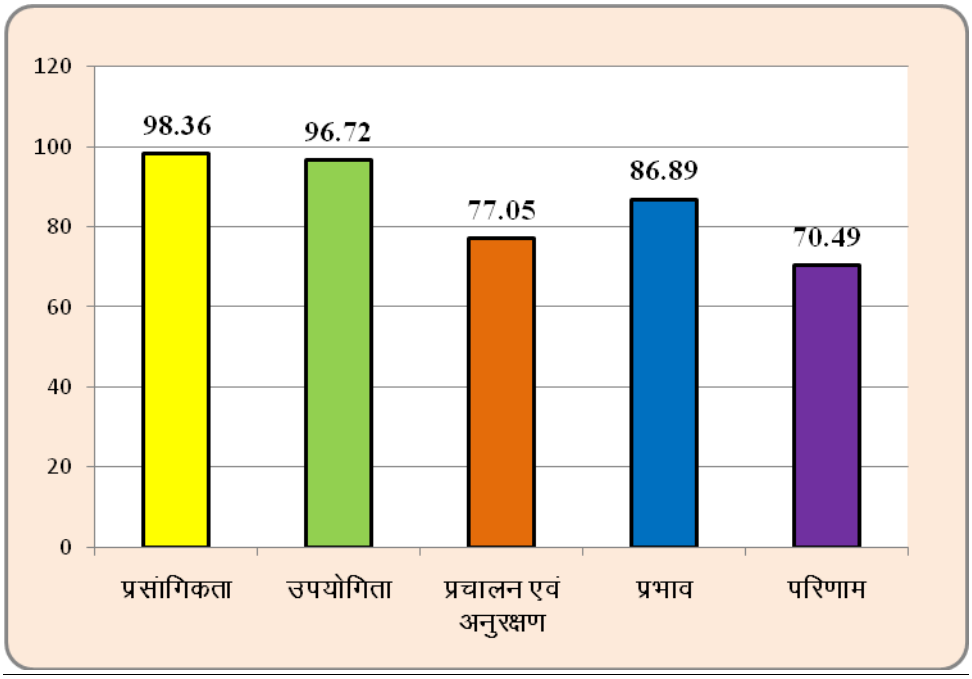

सारिणी– 1.15
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 10 चिकबालपुर

क्रम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं	प्रभाव	परिणाम	योग

	का नाम			अनुरक्षण			
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	100 (100)	100 (100)	100 (100)	100 (100)	90 (90.00)	100 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	5 (62.50)	4 (50.00)	6 (75.00)	5 (62.50)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	1 (50.00)	2 (100)	1 (50.00)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	115 (100)	112 (97.39)	110 (95.65)	113 (98.26)	101 (87.83)	115 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (viii) में कर्नाटक के चिकबालपुर विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

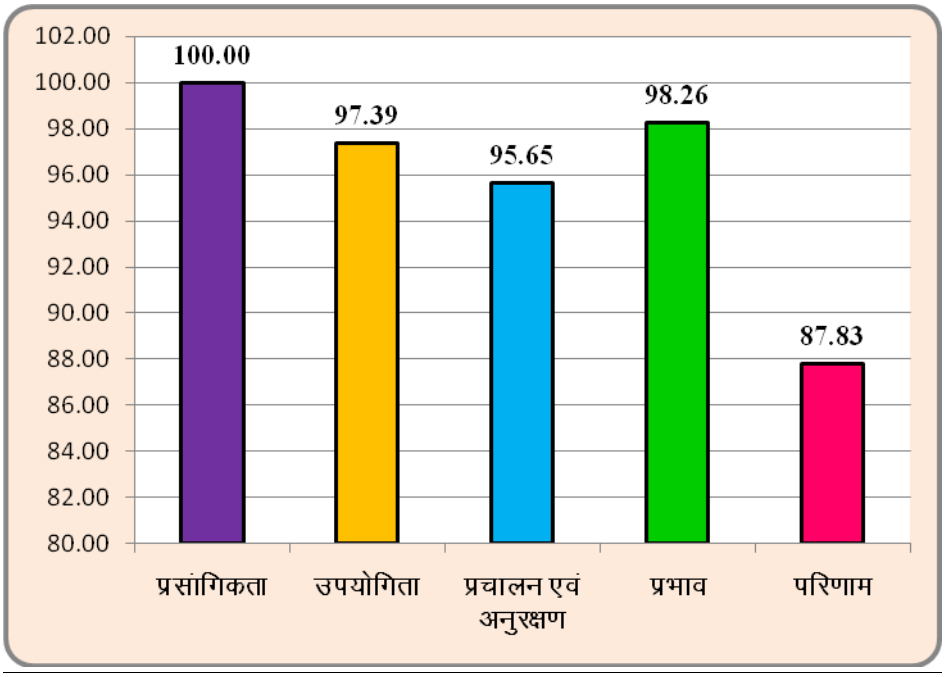

सारिणी– 1.16
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 11 तुमकुर

कम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग

1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)
2	विद्यार्थी	70 (100)	70 (100)	70 (100)	70 (100)	60 (85.71)	70 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	6 (75.00)	5 (62.50)	5 (62.50)	6 (75.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	2 (100)	1 (50.00)	2 (100)	1 (50.00)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	85 (100)	83 (97.65)	81 (95.29)	82 (96.47)	72 (84.71)	85 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (ix) में कर्नाटक के तुमकुर विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

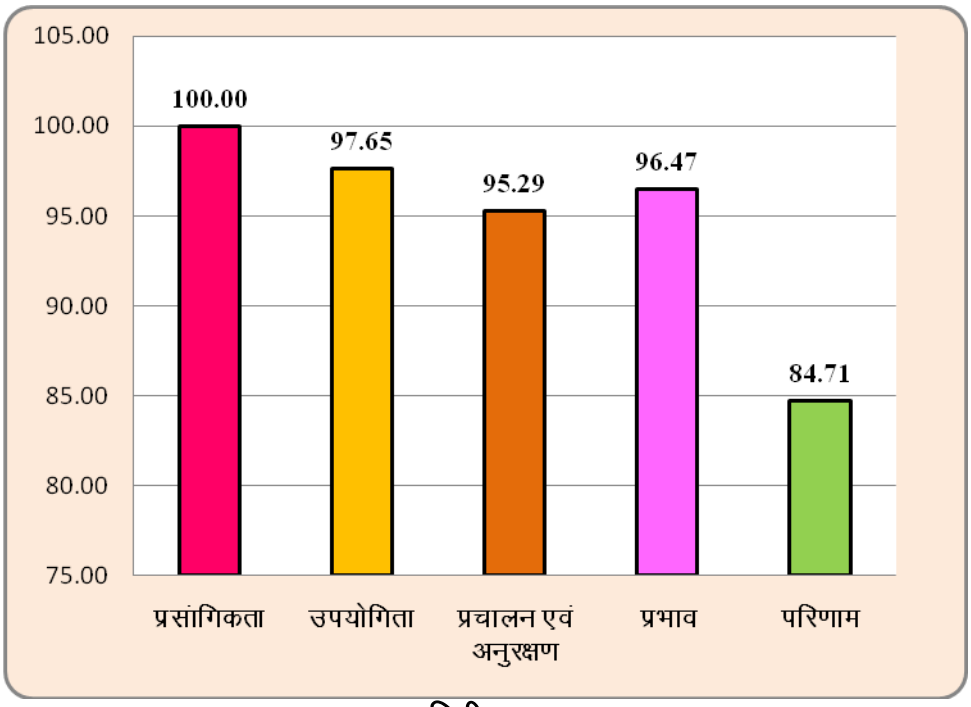

सारिणी– 1.17

विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 12 हसन

कम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)

2	विद्यार्थी	45 (100)	45 (100)	40 (88.89)	40 (88.89)	40 (88.89)	45 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	8 (100)	6 (75.00)	5 (62.50)	6 (75.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	1 (50.00)	1 (50.00)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	60 (70.59)	59 (69.41)	52 (61.18)	52 (61.18)	53 (62.35)	85 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (x) में कर्नाटक के हसन विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

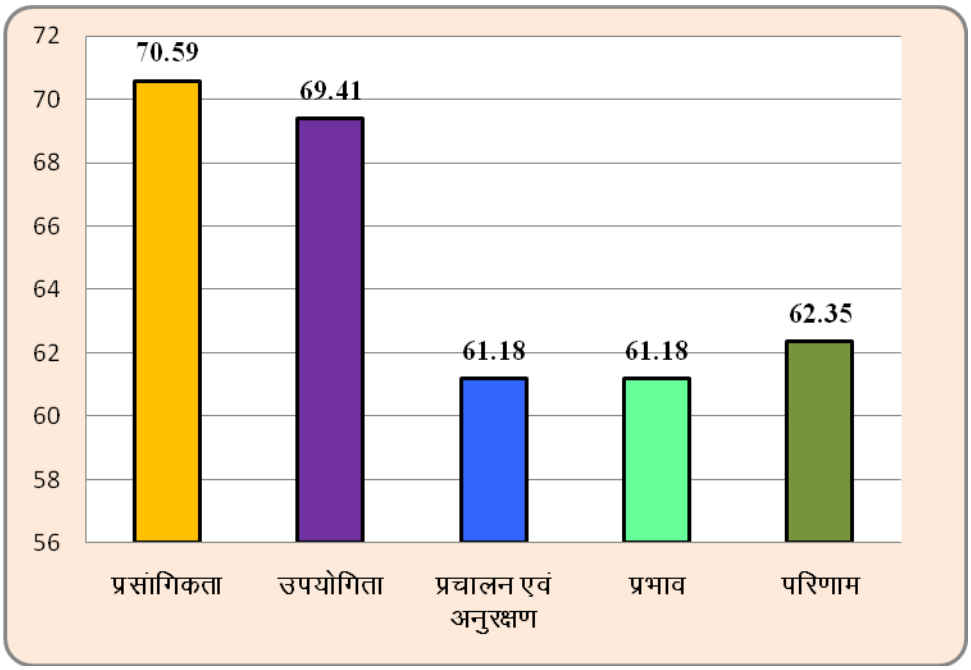

सारिणी– 1.18
विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं द्वारा दिये गये सकारात्मक उत्तरों की संख्या

राज्य का नाम– कर्नाटक

विकास खण्ड का नाम – 13 उत्तरकन्नड़

कम संख्या	चयनित प्रतिनिधियों का नाम	संकेतक / उत्तरदाताओं की संख्या					
		प्रसांगिकता	उपयोगिता	प्रचालन एवं अनुरक्षण	प्रभाव	परिणाम	योग
1	विद्यालय	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)	1 (100)

2	विद्यार्थी	90 (100)	90 (100)	80 (88.89)	80 (88.89)	80 (88.89)	90 (100)
3	अध्यापक	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
4	माता–पिता	8 (100)	6 (75.00)	5 (62.50)	5 (62.50)	6 (75.00)	8 (100)
5	पंचायत प्रतिनिधि	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
6	सरकारी अधिकारी	2 (100)	1 (50.00)	1 (50.00)	2 (100)	2 (100)	2 (100)
7	कुलयोग प्रतिशत	105 (100)	102 (97.14)	91 (86.67)	92 (87.62)	93 (88.57)	105 (100)

स्रोत – प्राथमिक आकड़ों के आधार पर
नोट कोष्ठक में लिखे अंक प्रतिशत को निरूपित करते है।

चार्ट–7 (xi) में कर्नाटक के उत्तरकन्नड विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत

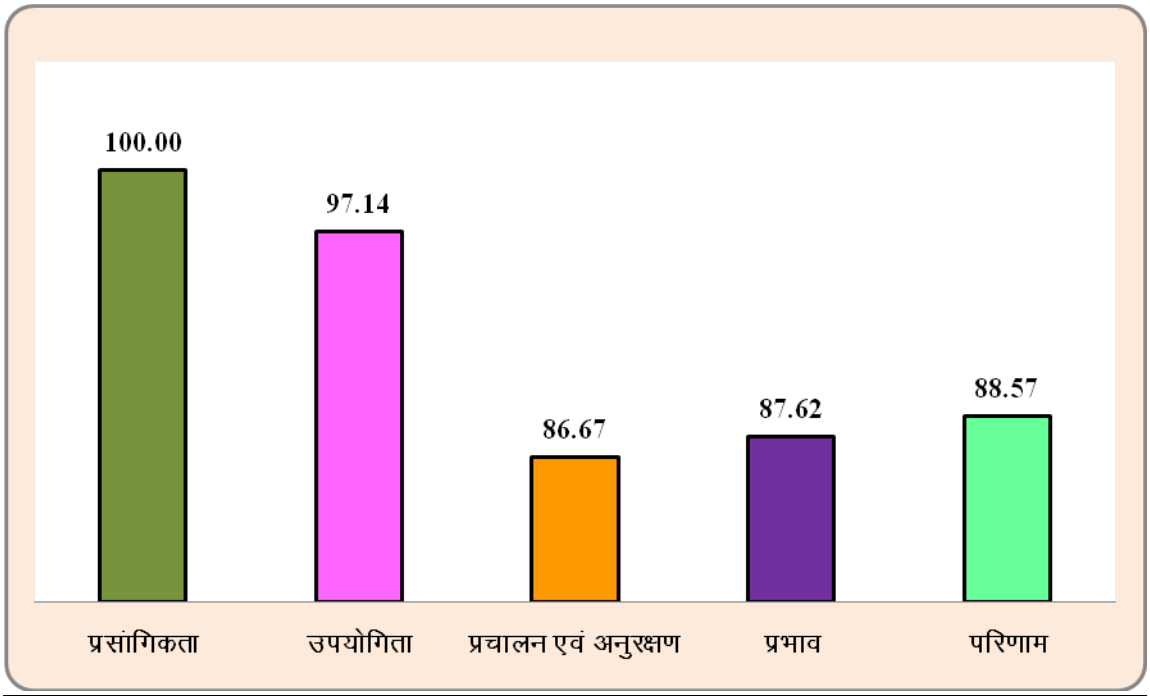

चार्ट–8 में कर्नाटक के विकास खण्ड में उत्तरदाताओं के सकारात्मक उत्तरों का प्रतिशत (सारे विकास खण्ड)

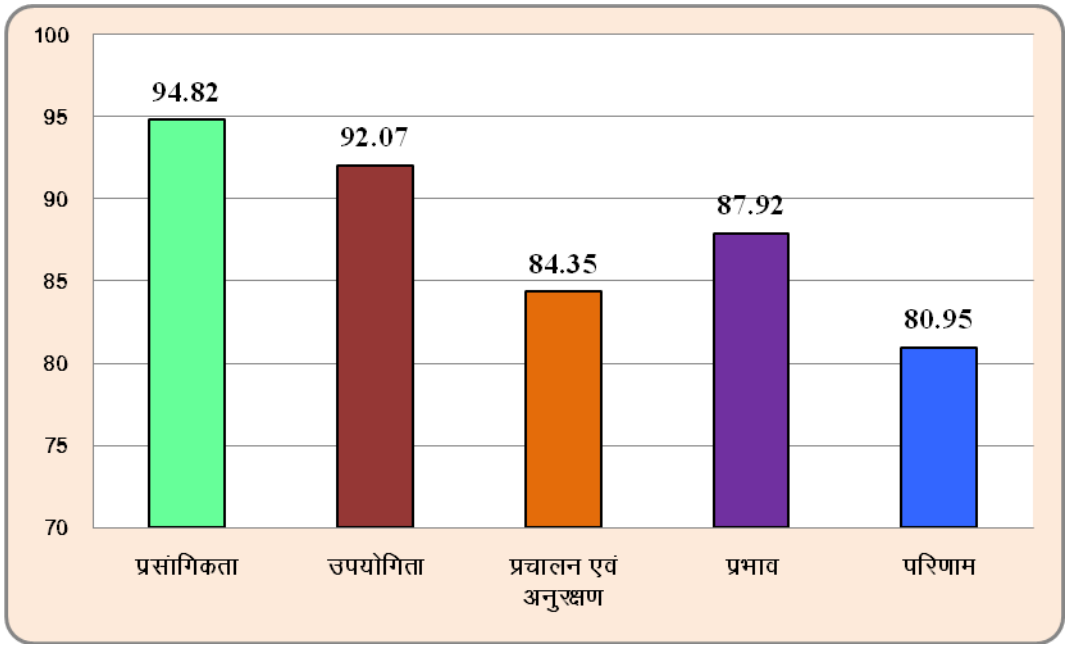
100
95
90
85
80
75
70
94.82
92.07
84.35
87.92
80.95
प्रसांगिकता
उपयोगिता
प्रचालन एवं अनुरक्षण
प्रभाव
परिणाम

अनुलग्नक–II

फोटोग्राफ

राज्य का नामः महाराष्ट्र

राज्य का नामः कर्नाटक

R. L. W.
(Dr. K. S. Rao)

REDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA

REDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA

R.S. Rao
(Dr. K.S. Rao)

2023/3/3

2023/3/3 14:39

(Dr. K.S. Rao)

(Dr. K.S. Rao)

(Dr. K. S. Rao)

(Dr. K. S. Rao)

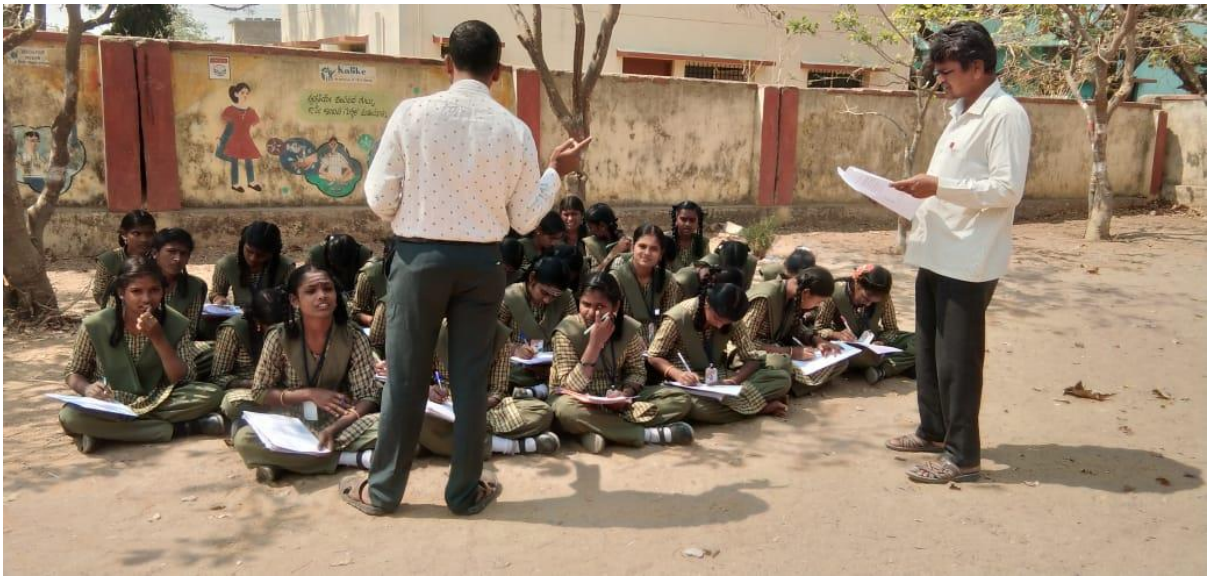

K.S. Rao
(Dr. K.S. Rao)

Next Month
Last Month
This Month
2023/3/6 16:

ಕೊಡುಗೆ ಮತ್ತು ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣ
ಭಾರತ್ ಎಲೆಕ್ಟ್ರಾನಿಕ್ಸ್ ಲಿಮಿಟೆಡ್ ಬೆಂಗಳೂರುರವರಿಂದ
ಸರಕಾರಿ ಪ್ರೌಢ ಶಾಲೆ ಮಲ್ಹಾರ ತಾ॥ಜಿ॥ಯಾದಗಿರಿ
2023/3/9 14:23

(Dr. K.S. Rao)

BEL BLOCK
GOVT. HIGHER PRIMARY SCHOOL
KADABURU
Constructed & Donated By
BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BANGALORE

HEADMASTER'S ROOM
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
2023/4/8 11:57

(Dr. K.S. Rao)

ಸರ್ಕಾರಿ ಹಿರಿಯ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಾಲೆ
ಭಾರತ್ ಎಲೆಕ್ಟ್ರಾನಿಕ್ಸ್ ಲಿಮಿಟೆಡ್, ಜಾಲಹಳ್ಳಿ, ಬೆಂಗಳೂರು ವತಿಯಿಂದ
GOVERNMENT HIGHER PRIMARY SCHOOL
(KANNADA AND ENGLISH MEDIUM) BAZAR, KARWAR. DIST: U.K.
CONSTRUCTED AND DONATED BY
BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BANGALORE
UNDER CSR SCHEME 2017-18
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
2023/4/8 11:57

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
2023/4/8 11:08

(Dr. K.S. Rao)

BEL BLOCK
GOVT. HIGHER PRIMARY SCHOOL
BALLUPET, SAKLESHPUR TALUK
Constructed & Donated By
BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BANGALORE
Under Corporate Social Responsibility Scheme 2015-16
ಸರ್ಕಾರಿ ಹಿರಿಯ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಾಲೆ, ಬಾಳ್ಳುಪೇಟೆ. ಸಕಲೇಶಪುರ ತಾ॥

(Dr. K. S. Rao)

(Dr. K. S. Rao)

राज्य का नामः आन्ध्र प्रदेश

(Dr. K. S. Rao)

राज्य का नामः तमिलनाडू

राज्य का नामः उत्तराखण्ड

(Dr. K.S. Rao)

राज्य का नामः उत्तर प्रदेश

ABC

संलग्नक– **III**

प्रश्नावली (1–6 केन्द्रीय समूह चर्चा हेतु जाँच–सूची)

GIRI INSTITUTE OF DEVELOPMENT STUDIES

Sector – O, Aliganj, Lucknow, Uttar Pradesh

गिरि विकास अध्ययन संस्थान

सेक्टर - ओ, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

Impact Assessment of Infrastructure / Facilities created in Government Schools by Bharat Electronics Limited (BEL) under Corporate Social Responsibility (CSR)

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा सरकारी स्कूलों में बनाई गई बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं के प्रभाव का आकलन

Questionnaire for the School

स्कूल के लिए प्रश्नावली

State राज्य **Districts** जिले **Block** ब्लॉक

I. General Information about School (स्कूल के बारे में सामान्य जानकारी**)**

S.No.		
1	**Name of the Gram Panchayat** ग्राम पंचायत का नाम	
2	**Name of the School** स्कूल का नाम	
3	**Type of school** स्कूल के प्रकार	**1. Primary 2. Upper Primary 3. Secondary** **1.** प्राथमिक **2.** उच्च प्राथमिक **3.** माध्यमिक
4	**No. of total students in the School** स्कूल में कुल छात्रों की संख्या	**Girls-** **Boys-** **Total--** लड़कियां- लड़के- कुल--
5	**No. of Students Presents in the school at the time of survey**	**Girls-** **Boys-** **Total--** लड़कियां- लड़के- कुल--

(Dr. K.S. Rao)

	सर्वेक्षण के समय स्कूल में उपस्थित छात्रों की संख्या	
6	**Total No. of Teacher in the school** स्कूल में शिक्षकों की कुल संख्या	**Head Teacher** मुख्य शिक्षक- **Assistant Teacher** सह अध्यापक - **Shiksha Mitra** शिक्षा मित्र- **Others** अन्य -
7	**Total no. of staff (other than teachers)** कुल संख्या कर्मचारियों की संख्या (शिक्षकों के अलावा)	**Clerk** (क्लर्क)- **Peon** (चपरासी)-- **Sweeper** (झाड़ू देनेवाला)- **MDM staff** एमडीएम स्टाफ- -
8	**No. of Teachers Presents in the school at the time of survey** सर्वेक्षण के समय विद्यालय में उपस्थित शिक्षकों की संख्या	**Clerk** (क्लर्क)- **Peon** (चपरासी)-- **Sweeper** (झाड़ू देनेवाला)- **MDM staff** एमडीएम स्टाफ-
9	**No. of Staff Presents in the school at the time of survey** सर्वेक्षण के समय विद्यालय में उपस्थित कर्मचारियों की संख्या	**Clerk** (क्लर्क)- **Peon** (चपरासी)-- **Sweeper** (झाड़ू देनेवाला)- **MDM staff** एमडीएम स्टाफ-
10		

II. BEL Initiative under CSR (सीएसआर के तहत बीईएल पहल)

Q2.1 How BEL Identify the school for their CSR Activities (बीईएल अपनी सीएसआर गतिविधियों के लिए स्कूल की पहचान कैसे करता है)--------------------------------------

Q.2.2 When they contact the school authorities for investment (जब वे निवेश के लिए स्कूल के अधिकारियों से संपर्क करते हैं)---------------------------------

Q2.3 Who decide the Activities to be done (की जाने वाली गतिविधियों का निर्णय कौन करता है)…………………………………………………

Q2.4. On what basis work/activities has been chosen (कार्य/गतिविधियों का चयन किस आधार पर किया गया है)……………………………………

Q2.5. Did the CSR intervention of creating Infrastructure / Facilities created by the BEL in the School is meeting the needs of the Institution? (. क्या स्कूल में बीईएल द्वारा निर्मित अवसंरचना/सुविधाओं के निर्माण का सीएसआर हस्तक्षेप संस्थान की जरूरतों को पूरा कर रहा है?)

Yes No

हां नहीं

III. Extent of utility (उपयोगिता की हद)

Q3.1. The Infrastructure / Facilitiescreated by the BEL in the School are in use (स्कूल में बीईएल द्वारा निर्मित अवसंरचना/सुविधाएं उपयोग में हैं)

Partial/Full/Not in use) with Justification (आंशिक/पूर्ण/उपयोग में नहीं) औचित्य के साथ

Q3.2. How will school ensure sustainability of the work done by the BEL?

स्कूल बीईएल द्वारा किए गए कार्य की निरंतरता कैसे सुनिश्चित करेगा?

Q3.3. Who will do the maintenance of the infrastructure / facilities created by the BEL in the School?

स्कूल में बीईएल द्वारा बनाए गए बुनियादी ढांचे/सुविधाओं का रखरखाव कौन करेगा?

Q3.4. List out all the BEL CSR activities (To determine the nature and purpose of each and every program as provided under the listed activities i.e. if drinking water – then specify whether it is an	3.4a Activity Name गतिविधि का नाम………………………………………………………………………… 3.4b Description of the work कार्य का विवरण……………………………………………………………………………………… 3.4c Date and time of the work/activity कार्य/गतिविधि की तिथि और समय ………………………………………………………………………

(Dr. K.S. Rao)

overhead tank or solar water dispenser or piped mode of water dispersal; if sports then whether sports equipment's were distributed among children of a certain age group or whether a sports camp was organised and so on and so forth for every activity) **Q3.4।** सभी बीईएल सीएसआर गतिविधियों को सूचीबद्ध करें (सूचीबद्ध गतिविधियों के तहत प्रदान किए गए प्रत्येक कार्यक्रम की प्रकृति और उद्देश्य निर्धारित करने के लिए यानी यदि पीने का पानी - तो निर्दिष्ट करें कि क्या यह एक ओवरहेड टैंक या सौर जल डिस्पेंसर या पानी के फैलाव का पाइप मोड है; यदि खेल तो क्या खेल उपकरण एक निश्चित आयु वर्ग के बच्चों के बीच वितरित किए गए थे या क्या एक खेल शिविर का आयोजन किया गया था और इसी तरह हर गतिविधि के लिए	3. 5a Activity गतिविधि.. 3.5b Description of the work कार्य का विवरण .... 3.5c Date and time of the work/activity कार्य/गतिविधि की तिथि और समय .... 3.6a Activity Name गतिविधि का नाम.. 3.6b Description of the work कार्य का विवरण.. 3.6c Date and time of the work/activity कार्य/गतिविधि की तिथि और समय ....

(Dr. K.S. Rao)

IV. Infrastructure related questions (इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सवाल)

4.1 School Building(विद्यालय भवन)

School Building विद्यालय भवन	Before BEL investment (बीईएल निवेश से पहले)	BEL contribution (बीईएल योगदान)	Total(कुल)
Total No. of Rooms (कमरों की कुल संख्या)			
Boundary wall (चाहरदीवारी)			
Painting in the school (स्कूल में पैंटिंग)			
Others repairs and maintenance work in the school (अन्य स्कूल में मरम्मत और रखरखाव का काम करते हैं)			
Others (अन्य)			

4.2. Facilities and infrastructure for Teacher & staff (शिक्षक और कर्मचारियों के लिए सुविधाएं और बुनियादी ढांचा)

Infrastructure आधारभूत संरचना	Availability उपलब्धता			Impact प्रभाव	
	Before BEL investment बीईएल निवेश से पहले	BEL contribution बीईएल योगदान	Total कुल	Before BEL investment (बीईएल निवेश से पहले) 1. very less(बहुत कम) 2. Less (कम) 3. Adequate but need more (पर्याप्त लेकिन और चाहिए) 4 Adequate and no need (पर्याप्त और कोई ज़रूरत नहीं है)	BEL contribution (बीईएल योगदान) 1. Less (कम) 2.Need more(और चाहिए) 3. Adequate but need more (पर्याप्त लेकिन और चाहिए) 4. Adequate and no need (पर्याप्त और कोई ज़रूरत नहीं है)
No. of Rooms कमरों की संख्या					
Staff Room स्टाफ कक्ष					

Infrastructure **आधारभूत संरचना**	**Availability** **उपलब्धता**			**Impact** **प्रभाव**	
Headmaster Room प्रधानाध्यापक कक्ष					
No. of furniture **फर्नीचर की संख्या**					
Chair कुर्सी					
Table मेज					
Cupboard अलमारी					
Fans पंखे					
Cooler कूलर					
Computer कंप्यूटर					
Printer प्रिंटर					
Office table कार्यालय मेज					
Others अन्य-					
No. of bathroom/toilets **बाथरूम/शौचालयों की संख्या**					
Working with running water बहते पानी के साथ काम करना					
Working without water पानी के बिना काम करना					
Not working काम नहीं कर रहा					
Others अन्य-					

4.3. Facilities and infrastructure for Students (छात्रों के लिए सुविधाएं और बुनियादी ढांचा)

Infrastructure (आधारभूत संरचना)	**Availability (उपलब्धता)**			**Impact (प्रभाव)**	
	Before BEL investment (बीईएल निवेश से पहले)	**BEL contribution (बीईएल योगदान)**	**Total कुल**	**Before BEL investment** (बीईएल निवेश से पहले) **1. very less** (बहुत कम) **2. Less (कम) 3. Adequate but need more** (पर्याप्त लेकिन और चाहिए) **4 Adequate and no need** (पर्याप्त और कोई ज़रूरत नहीं है)	**BEL contribution** (बीईएल योगदान) **1. Less** (कम) **2.Need more** (और चाहिए) **3. Adequate but need more** (पर्याप्त लेकिन और चाहिए) **4. Adequate and no need** (पर्याप्त और कोई ज़रूरत नहीं है)
No. of Rooms कमरों की संख्या					
Normal class room सामान्य क्लास रूम					
Smart Class room स्मार्ट क्लास रूम					
No. of classroom with Furniture फर्नीचर के साथ कक्षा की संख्या					
No. of classroom without Furniture फर्नीचर के बिना कक्षा की संख्या					
No. of. Computer Room कम्प्यूटर कक्ष की संख्या					
Total no. of furniture कुल संख्या फर्नीचर का					
No. of benches बेंचों की संख्या					
No. of Chairs कुर्सियों की संख्या					

(Dr. K.S. Rao)

Infrastructure (आधारभूत संरचना)	**Availability (उपलब्धता)**			**Impact (प्रभाव)**	
No. of tables तालिकाओं की संख्या					
Computer desk कंप्यूटर डेस्क					
Computer chair कंप्यूटर की कुर्सी					
No. of computer/desktop कंप्यूटर/डेस्कटॉप की संख्या					
No. of laptop लैपटॉप की संख्या					
No. of printer प्रिंटर की संख्या					
No. of fans पंखो की संख्या					
No. of coolers कूलरों की संख्या					
No. of cupboard अलमारी की संख्या					
Projectors प्रोजेक्टर					
Others अन्य-					
No. of bathroom/toilets बाथरूम/शौचालयों की संख्या					
Working with running water बहते पानी के साथ काम करना					
Working without water पानी के बिना काम करना					
Not working काम नहीं कर रहा					
Library पुस्तकालय					
No. of teaching materials शिक्षण सामग्री की					

Infrastructure (आधारभूत संरचना)	Availability (उपलब्धता)			Impact (प्रभाव)	
संख्या					
Books पुस्तकें					
Stationary स्टेस्नरी					
Black board ब्लैक बोर्ड					
Others अन्य-					
Playground खेल का मैदान					
Indoor games places आंतरिक खेल का स्थान					
Assembly Place सभा स्थल					
Drinking water facilities पीने के पानी की सुविधा					
No. of hand pump हैंडपंप की संख्या					
No. of water tap पानी के नल की संख्या					
No. of water cooler वाटर कूलर की संख्या					
Water purifier system जल शोधक प्रणाली					
Ro. Filtration system जल निस्पंदन प्रणाली					
Overhead Tank ओवरहेड टैंक					
Is electricity available क्या बिजली उपलब्ध है					
Adequate electricity facilities is available बिजली की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है					
Others अन्य-					

V. Impact of BEL Contribution (बीईएल योगदान का प्रभाव)

5.1 Question related to Impact on the students directly or indirectly afterBEL contribution

(बीईएल योगदान के बाद प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों पर प्रभाव से संबंधित प्रश्न)

S. No. क्र.सं.	Question प्रश्न	Decreased नीचे करना	Increased ऊपर करना	No impact कोई प्रभाव नहीं
1	**Enrollment** उपस्थिति पंजी			
2	**Attendance** उपस्थिति			
3	**Interest Studies** रुचि अध्ययन			
4	**Health condition** स्वास्थ्य दशा			
5	**Educational environment** शैक्षिक वातावरण			
6	**Sports activities** खेलकूद गतिविधियां			
7	**Other curriculum activities** अन्य पाठ्यक्रम गतिविधियाँ			
8	**Any other specific things** कोई अन्य विशिष्ट बातें			
9				
10				

Q5.2 Did the project achieve the overall objective of creating a conducive learning environment in Government Schools?

क्या परियोजना ने सरकारी स्कूलों में सीखने के अनुकूल माहौल बनाने के समग्र उद्देश्य को प्राप्त किया?

Q. 5.3 Did the infrastructure / facilities created by BEL, elevate the status of the School by way of recognition by the Education Department to play additional roles such as Board examination centre etc.

क्या बीईएल द्वारा निर्मित अवसंरचना/सुविधाओं ने बोर्ड परीक्षा केंद्र आदि जैसी अतिरिक्त भूमिका निभाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता के माध्यम से स्कूल की स्थिति को ऊंचा किया?

Q5.4. Perception of BEL as a socially responsible company:

सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के रूप में बीईएल की धारणा:

Q5.5. Are School satisfy with the facilities created by the BEL?

क्या स्कूल बीईएल द्वारा सृजित सुविधाओं से संतुष्ट हैं?

(Dr. K. S. Rao)

GIRI INSTITUTE OF DEVELOPMENT STUDIES
Sector – O, Aliganj, Lucknow, Uttar Pradesh
गिरि विकास अध्ययन संस्थान
सेक्टर - ओ, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

IMPACT ASSESSMENT OF INFRASTRUCTURE /FACILITIES IN GOVERNMENT SCHOOLS BY BHARAT ELECTRONICS LIMITED UNDER CSR FUNDS

सीएसआर फंड के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं के प्रभाव का आकलन

Questionnairefor Student's (छात्र के लिए प्रश्नावली**)**

Name of the student - छात्र का नाम -	Ward- वार्ड-
Class- कक्षा-	District- जिला -
School- स्कूल	State- राज्य -
Gender- लिंग	Date- दिनांक
Age - आयु	

I. Awareness regarding Infrastructure Facilities created in the school

स्कूल में निर्मित बुनियादी सुविधाओं के बारे में जागरूकता

Q1.1**.** Are the following available at your school (if yes put a tick if no put across against the item)

क्या आपके स्कूल में निम्नलिखित उपलब्ध हैं (यदि हाँ तो आइटम के सामने सही का निशान लगाएं)

1.	School Building विद्यालय भवन		14.	Hand Washing Facility हाथ धोने की सुविधा	
2.	Classrooms कक्षा		15.	Sports Facility खेल सुविधा	

3.	Desk मेज़		16.	Drinking Water (RO) पीने का पानी (आरओ)	
4.	Dual Desk दोहरी डेस्क		17.	Water cooler पानी वाला कूलर	
5.	Chairs कुर्सियां		18.	Compound Wall यौगिक दीवार	
6.	Library पुस्तकालय		19.	Smart Classrooms आधुनिक कक्षा	
7.	Lab प्रयोगशाला		20.	Projector प्रोजेक्टर	
8.	Lab Equipment प्रयोगशाला के उपकरण		21.	Computer कंप्यूटर	
9.	Prayer Block प्रार्थना ब्लॉक		22.	Boys Toilet लड़कों का शौचालय	
10.	Tables तालिका		23.	Girls Toilet लड़कियों का शौचालय	
11.	Computer Table कम्प्युटर की मेज़		24.	Internet Facility इंटरनेट सुविधा	
12.	Printer प्रिंटर		25.	Gate मुख्य दरवाज़ा	
13.	Ceiling Fans छत के पंखे		26.	Printer प्रिंटर	

II.Effectiveness-Conducive Learning Environment for students
Prudent utilization of the facilities provided by BEL

प्रभावशीलता-छात्रों के लिए अनुकूल शिक्षण वातावरण

बीईएल द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का विवेकपूर्ण उपयोग

Q2.1. Are there enough chairs & desks for every student?

क्या प्रत्येक छात्र के लिए पर्याप्त कुर्सियाँ और डेस्क हैं?

Yes No

हां नहीं

Q2.2.Does your classroom have enough light?

क्या आपकी कक्षा में पर्याप्त रोशनी है?

Yes No

हां नहीं

Q2.3. Does your classroom ceiling fans work?

क्या आपकी कक्षा के छत के पंखे काम करते हैं?

Yes No

हां नहीं

Q2.4. Do you get opportunity to play sports?

क्या आपको खेल खेलने का अवसर मिलता है?

Yes No

हां नहीं

Q2.5.What sports do you play? Mention below

तुम कौन सा खेल खेलते हो? नीचे उल्लेख करें

Q2.6. Are the classes conducted in the smart classrooms also?

क्या स्मार्ट क्लासरूम में भी कक्षाएं संचालित होती हैं?

Yes No

हां नहीं

Q2.7. Do all students get the opportunity to do practical on computer?

क्या सभी छात्रों को कंप्यूटर पर प्रयोग करने का अवसर मिलता है?

Yes No

हां नहीं

Q2.8.Do you have access to the library books?

क्या आपके पास पुस्तकालय की पुस्तकों तक पहुंच है?

Yes No

हां नहीं

Q2.9. Do you get the opportunity to do practical's in the Science Labs?

क्या आपको साइंस लैब्स में प्रैक्टिकल करने का मौका मिलता है?

Yes No

हां नहीं

Q2.10. Do you have functional lab equipment's?

क्या आपके पास कार्यात्मक प्रयोगशाला उपकरण हैं?

Yes No

हां नहीं

Q2.11. Do you have filtered drinking water facility in your school? .

क्या आपके विद्यालय में फिल्टर पेयजल की सुविधा है ?

Yes No

हां नहीं

Q2.12. Do you use water cooler facility during summers?

क्या आप गर्मियों के दौरान वाटर कूलर की सुविधा का उपयोग करते हैं?

Yes No

हां नहीं

(Dr. K.S. Rao)

III Operation-Availability of running water Toilets & Handwash facility

संचालन-चलते पानी के शौचालय और हाथ धोने की सुविधा की उपलब्धता

Q3.1. Do you have fully functional toilets?

क्या आपके पास पूरी तरह कार्यात्मक शौचालय हैं?

Yes No

हां नही

Q3.2. Do you have running water available all the time to wash your hands?

क्या आपके पास हाथ धोने के लिए हर समय बहता पानी उपलब्ध है?

Yes No

हां नहीं

IV.Impactof the CSR Intervention by BEL (बीईएल द्वारा सीएसआर हस्तक्षेप का प्रभाव)

Q4.1Do you think smart class is helpful tool in learning?

क्या आपको लगता है कि स्मार्ट क्लास सीखने में सहायक उपकरण है?

Yes No

हां नहीं

Q4.2. Do you enjoy learning by doing practical in lab?

क्या आपको प्रयोगशाला में प्रयोग करके सीखने में आनंद आता है?

Yes No

हां नहीं

Q4.3. Do you think computer classes helps in learning fast?

क्या आपको लगता है कि कम्प्यूटर की कक्षाएं तेजी से सीखने में मदद करती हैं?

Yes No

हां नहीं

(Dr. K.S. Rao)

Q4.4. Do you enjoy coming to school now?

क्या अब आपको स्कूल आने में मज़ा आता है?

Yes No

हां नहीं

Q4.5. Do you think your performance has improved while learning in this new educational setup?

क्या आपको लगता है कि इस नए शैक्षिक सेटअप में सीखने के दौरान आपके प्रदर्शन में सुधार हुआ है?

Yes No

हां नहीं

Q4.6. Do you think the educational set up is much more helpful than before with the smart classrooms, computers and laboratory, if yes or no please elaborate? क्या आपको लगता है कि स्मार्ट कक्षाओं, कंप्यूटरों और प्रयोगशाला के साथ शैक्षिक व्यवस्था पहले की तुलना में बहुत अधिक सहायक है, यदि हां या नहीं कृपया विस्तार से बताएं?

Before पहले	After बाद मे

(Dr. K.S. Rao)

GIRI INSTITUTE OF DEVELOPMENT STUDIES
Sector – O, Aliganj, Lucknow, Uttar Pradesh
गिरि विकास अध्ययन संस्थान
सेक्टर - ओ, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

Impact Assessment of Infrastructure / Facilities created in Government Schools by Bharat Electronics Limited (BEL) under Corporate Social Responsibility (CSR)

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा सरकारी स्कूलों में बनाई गई बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं के प्रभाव का आकलन

Questionnaire for the Parents (माता-पिता के लिए प्रश्नावली)

State राज्य- **Districts** जिला - **Block** ब्लॉक

Name of the Gram Panchayat ग्राम पंचायत का नाम-

I. General Information about Respondent उत्तरदाता के बारे में सामान्य जानकारी

S. No.		
1	**Name of the parent** माता-पिता का नाम	
2	**Gender** लिंग	
3	**Age** आयु	
4	**Education Qualification** शैक्षणिक योग्यता	
5	**Marital Status** वैवाहिक स्थिति	
6	**Occupation** व्यवसाय	

(Dr. K.S. Rao)

7	**No. of Children** बच्चों की संख्या	**Total Girls Boys** कुल लड़कियां लड़के
8	**Name of the School** स्कूल का नाम	
9	**Type of school** स्कूल का प्रकार	**1. Primary 2. Upper Primary 3. Secondary** **1.** प्राथमिक **2.** उच्च प्राथमिक **3.** माध्यमिक
10	**How many children go to school** कितने बच्चे स्कूल जाते हैं	
11	**Class of the Children** बच्चों की कक्षा	
12	**Name of the Class teacher** कक्षा शिक्षक का नाम	
13	**Name of the Principal** प्राचार्य का नाम	
14		
15		

II. Awareness regarding Infrastructure /facilities created in the School

विद्यालय में सृजित अवसंरचना/सुविधाओं के संबंध में जागरूकता

Q2.1. Are you aware about some Infrastructure /facilities created in the School?

क्या आप विद्यालय में सृजित कुछ बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं के बारे में जानते हैं?

1. Yes 2. No

1. हाँ 2. नहीं

Q2.2. If yes, who created, name of the Agency?

यदि हां, तो किसने बनाया, एजेंसी का नाम?

1. School 2. Punchyat 3. Government 4. Any agency 5. Do not know

1. स्कूल 2. पंचायत 3. सरकार 4. कोई एजेंसी 5. पता नहीं

(Dr. K.S. Rao)

Q2.3. How was the condition of the school before investment?

निवेश से पहले स्कूल की स्थिति कैसी थी?

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1.बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

Q2.4. How is the condition now?

अब कैसी हालत है?

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

Q. 2.5 The status of school as compared to other private school in the area is

क्षेत्र के अन्य निजी विद्यालयों की तुलना में विद्यालय की स्थिति है

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

Q2.6. The level of education in the school as compared other private school in the area is

क्षेत्र के अन्य निजी विद्यालयों की तुलना में विद्यालय में शिक्षा का स्तर है

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

III. Impact of BEL Contribution (बीईएल योगदान का प्रभाव)

3.1 Question related to Impact on the students directly or indirectly after BEL contribution

बीईएल योगदान के बाद प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों पर प्रभाव से संबंधित प्रश्न

S. No.	Question प्रश्न	Very Good बहुत अच्छा	Good अच्छा	Not Good अच्छा नहीं है अच	No impact कोई प्रभाव नहीं
1	**Condition of school** स्कूल की स्थिति				
2	School environment स्कूल का माहौल				
3	**Your child Interest on Studies** आपके बच्चे की पढ़ाई में रुचि				
4	**Health & hygiene issues** स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दे				
5	**Drinking water facilities** पीने के पानी की सुविधा				
6	**Toilets/Bathroom conditions** शौचालय/बाथरूम की स्थिति				
7	**Exam Results** परीक्षा के परिणाम				
8	**Sports activities** खेलकूद गतिविधियां				
9	**Other curriculum activities** अन्य पाठ्यक्रम गतिविधियाँ				
10	**Any other specific things** कोई अन्य विशिष्ट बातें				

(Dr. K.S. Rao)

IV. Relevance of BEL Initiative (बीईएल पहल की प्रासंगिकता)

Q4.1 Did the CSR intervention of creating Infrastructure / Facilities in Government Schools across India meet the needs of the beneficiary Institution?

क्या भारत भर के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा/सुविधाएं बनाने का सीएसआर हस्तक्षेप लाभार्थी संस्थान की जरूरतों को पूरा करता है?

Q4.2 Did the project achieve the overall objective of creating a conducive learning environment in Government Schools?

क्या परियोजना ने सरकारी स्कूलों में सीखने के अनुकूल माहौल बनाने के समग्र उद्देश्य को प्राप्त किया?

Q. 4.3 Did the infrastructure / facilities created by BEL, elevate the status of the School by way of recognition by the Education Department to play additional roles such as Board examination centre etc.

क्या बीईएल द्वारा निर्मित अवसंरचना/सुविधाओं ने बोर्ड परीक्षा केंद्र आदि जैसी अतिरिक्त भूमिका निभाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता के माध्यम से स्कूल की स्थिति को ऊंचा किया?

Q4.4. Perception of BEL as a socially responsible company

सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के रूप में बीईएल की धारणा

Q4.5. Are you satisfy with the facilities created by the BEL in the school

क्या आप विद्यालय में बीईएल द्वारा निर्मित सुविधाओं से संतुष्ट हैं ?

Q4.6. any other suggestions for the improvement in the school

स्कूल में सुधार के लिए कोई अन्य सुझाव

(Dr. K.S. Rao)

GIRI INSTITUTE OF DEVELOPMENT STUDIES
Sector – O, Aliganj, Lucknow – 226024, Uttar Pradesh
गिरि विकास अध्ययन संस्थान
सेक्टर - ओ, अलीगंज, लखनऊ - **226024,** उत्तर प्रदेश

Impact Assessment of Infrastructure /Facilities in Government Schools by Bharat Electronics Limited under CSR Funds

सीएसआर फंड के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर/सुविधाओं के प्रभाव का आकलन

Questionnaire for Teachers (शिक्षकों के लिए प्रश्नावली**)**

Name - नाम	Ward- वार्ड-
What classes do you take- आप कौन सी कक्षाएं लेते हैं-	District- जिला
Education- शिक्षा-	State- राज्य
Gender- लिंग	Date- दिनांक
Age - आयु-	Work Experience (Year)-

I. Awareness regarding the infrastructure / facilities created in the school
विद्यालय में सृजित अवसंरचना/सुविधाओं के संबंध में जागरूकता

Q1.1. Do you know what educational infrastructure means?
क्या आप जानते हैं एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर का हिन्दी में क्या मतलब होता है?
Yes No
हां नहीं

Q1.2 s your school infrastructure in good condition in terms of security, adequacy, modernity and quality?

क्या आपके स्कूल का बुनियादी ढांचा सुरक्षा, पर्याप्तता, आधुनिकता और गुणवत्ता के मामले में अच्छी स्थिति में है?

Yes No

हां नहीं

Please Explain

कृपया समझाएँ

II. Relevance &Utility

प्रासंगिकता और उपयोगिता

Q2.1. Is your school infrastructure good enough to sustain the number of students after the intervention project?

क्या आपके स्कूल का बुनियादी ढांचा हस्तक्षेप परियोजना के बाद छात्रों की संख्या को बनाए रखने के लिए पर्याप्त है?

Yes No

हां नहीं

Q2.2. Is your school educational infrastructure enough to facilitate a proficient learning experience for students after the intervention project?

क्या आपका स्कूल शैक्षिक बुनियादी ढांचा हस्तक्षेप परियोजना के बाद छात्रों के लिए एक कुशल सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए पर्याप्त है?

Yes No

हां नहीं

(Dr. K.S. Rao)

III. Effectiveness& Utilization of the infrastructure and facilities (बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की प्रभावशीलता और उपयोगिता)

Q3.1. In your opinion are the classrooms located in a conducive environment after the intervention?

आपकी राय में क्या हस्तक्षेप के बाद कक्षाएँ अनुकूल वातावरण में स्थित हैं?

Yes No

हां नहीं

Q3.2. Has the teaching experience improvised with the new smart classrooms, computers and lab equipments? Yes /No Please elaborate

क्या नए स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर और लैब उपकरणों के साथ शिक्षण अनुभव में सुधार हुआ है? हां/नहीं कृपया विस्तृत करें

Before पहले	After बाद में

Q3.3. Do teachers have staffroom space and cupboards?

क्या शिक्षकों के पास स्टाफरूम स्पेस और अलमारी है?

Yes No

हां नहीं

Q3.4. How frequently do the smart classes take place?

स्मार्ट कक्षाएं कितनी बार होती हैं?

(i)Very Frequently(अक्सर) (ii) Frequently (बार-बार)

(iii) Once a month (महीने में एक बार) (iv) Never (कभी नहीं)

Q3.5. Were you trained effectively use digital devices?

(Dr. K.S. Rao)

क्या आपको डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था?

Yes No

हां नहीं

Q3.6. Does the school have sufficient internet bandwidth speed?

क्या स्कूल के पास पर्याप्त इंटरनेट बैंडविड्थ स्पीड है?

Yes No

हां नहीं

IV. Impact -Increase in students attendance and enrollment and performance (प्रभाव - छात्रों की उपस्थिति और नामांकन और प्रदर्शन में वृद्धि)

Q4.1. Attendance of the students has increased?

छात्रों की उपस्थिति बढ़ी है ?

Yes No

हां नहीं

Q4.2. Has there been any increase in the number of student enrollment?

क्या छात्र नामांकन की संख्या में कोई वृद्धि हुई है?

Yes No

हां नहीं

Q4.3. In your opinion how would you rate the overall performance of the school in reference to the existing physical facilities after the intervention?

आपकी राय में हस्तक्षेप के बाद मौजूदा भौतिक सुविधाओं के संदर्भ में आप स्कूल के समग्र प्रदर्शन को कैसे आंकेंगे?

(i) Excellent (ii) Good (iii) Average (iv) Poor

(i) उत्कृष्ट (ii) अच्छा (iii) औसत (iv) खराब

(Dr. K.S. Rao)

Q4.4. In your opinion how would you rate the overall performance of the school in reference to theeducational infrastructure?

आपकी राय में आप शैक्षिक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में स्कूल के समग्र प्रदर्शन को कैसे आंकेंगे?

(i)Excellent (ii) Good (iii) Average (iv) Poor

(i) उत्कृष्ट (ii) अच्छा (iii) औसत (iv) खराब

Q4.5. What is your opinion on co curricular activities in the school, do you think that they affect the overall performance of students?Explain

स्कूल में सह पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों पर आपकी क्या राय है, क्या आपको लगता है कि वे छात्रों के समग्र प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं? व्याख्या करें

Q4.6. How often do the students participate in the co-curricular activities?

सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में छात्र कितनी बार भाग लेते हैं?

(i) Very Often (ii) Often (iii) Regular (iv) Rarely (v) Not at all

(i) बहुत बार (ii) अक्सर (iii) नियमित (iv) बहुत कम (v) बिल्कुल नहीं

Q4.7. Do you think the library has sufficient books for students? If Not then please share what genre of books are lacking?

क्या आपको लगता है कि पुस्तकालय में छात्रों के लिए पर्याप्त पुस्तकें हैं? यदि नहीं तो कृपया बताएं कि किस विधा की पुस्तकों में कमी है?

(Dr. K.S. Rao)

Q4.8. What is your opinion on the staff rooms are they spacious with adequate light and air? .

स्टाफ रूम के बारे में आपकी क्या राय है कि क्या वे पर्याप्त प्रकाश और हवा के साथ विस्तृत हैं?

Before पहले	After बाद में

V . Impact – Perception of BEL as a socially responsible company (प्रभाव - सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के रूप में बीईएल की धारणा)

Q5.1. Do you think the infrastructure /facilities created by BEL, has helped in enriching the teaching experience of teachers if yes please explain? .

क्या आपको लगता है कि बीईएल द्वारा बनाई गई बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं ने शिक्षकों के शिक्षण अनुभव को समृद्ध करने में मदद की है यदि हाँ तो कृपया स्पष्ट करें?

Before पहले	After बाद में

Q5.2. What is your opinion about BEL (Bharat Electronic Limited), how would you rate their work under the CSR Fund?

बीईएल (भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड) के बारे में आपकी क्या राय है, आप सीएसआर फंड के तहत उनके काम का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

(i) Excellent (ii) Very Good (iii) Good (iv) Average

(i) उत्कृष्ट (ii) बहुत अच्छा (iii) अच्छा (iv) औसत

(Dr. K.S. Rao)

GIRI INSTITUTE OF DEVELOPMENT STUDIES

Sector – O, Aliganj, Lucknow, Uttar Pradesh

गिरि विकास अध्ययन संस्थान

सेक्टर - ओ, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

Impact Assessment of Infrastructure /Facilities in Government Schools by Bharat Electronics Limited under CSR Funds

सीएसआर फंड के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर/सुविधाओं के प्रभाव का आकलन

Questionnaire for Government Officials

सरकारी अधिकारियों के लिए प्रश्नावली

Personal Information

व्यक्तिगत जानकारी

Name - नाम	Ward वार्ड
Designation पद	District जिला
Contact no.- संपर्क नंबर।-	State- राज्य
Email id-	

I. Awareness regarding infrastructure /facilities created in the school

विद्यालय में सृजित अवसंरचना/सुविधाओं के संबंध में जागरूकता

Q1.1Are you aware about the infrastructure/facilities created in the school?

क्या आप विद्यालय में सृजित अवसंरचना/सुविधाओं के बारे में जानते हैं?

Yes No

हां नहीं

(Dr. K.S. Rao)

Q1.2. Were you consulted before the project?

क्या आपने परियोजना से पहले परामर्श किया था?

Yes No

हां नहीं

Q1.3. Has the project has followed the mandate mentioned in the government guidelines in providing theschools with physical and educational infrastructure? क्या परियोजना ने स्कूलों को भौतिक और शैक्षिक बुनियादी ढांचा प्रदान करने में सरकारी दिशानिर्देशों में उल्लिखित शासनादेश का पालन किया है?

Yes No

हां नहीं

Q1.4Did you visit the site to monitor the progress?

क्या आप प्रगति की निगरानी के लिए साइट पर गए थे?

Yes No

हां नहीं

II. Relevance – Did the CSR intervention meet the need of the beneficiary organization

(प्रासंगिकता - क्या सीएसआर हस्तक्षेप लाभार्थी संगठन की आवश्यकता को पूरा करता है)

Q2.1 Did the CSR Intervention of creating the infrastructure/faculties in Government Schools meet the need of the beneficiary institution?

Yes or No please explain

क्या सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे/संकाय बनाने का सीएसआर हस्तक्षेप लाभार्थी संस्थान की आवश्यकता को पूरा करता है?

हां या नहीं कृपया समझाएं

Yes हाँ	No नहीं

Q2.2. Do you think the current educational infrastructure (smart class rooms, computer, lab and lab equipment's) is enough as per the need?
क्या आपको लगता है कि वर्तमान शैक्षिक बुनियादी ढांचा (स्मार्ट क्लास कमरे, कंप्यूटर, लैब और प्रयोगशाला उपकरण) की आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त है?

(i)Agree (ii)Strongly Agree (iii) Disagree (iv) Strongly Disagree

(i) सहमत (ii) पूर्णतः सहमत (iii) असहमत (iv) अत्यधिक असहमत

III. Impact of the intervention (हस्तक्षेप का प्रभाव)

Q3.1. Do you think the teachers are performing more efficiently now?

क्या आपको लगता है कि शिक्षक अब अधिक कुशलता से प्रदर्शन कर रहे हैं?

(i)Agree (ii) Strongly (iii)Disagree (iv)Strongly Disagree

(i) सहमत (ii) पूर्णतः सहमत (iii) असहमत (iv) अत्यधिक असहमत

Q3.2. What changes positive or negative did you observe during your visits to the school premises after the renovation of the physical infrastructure and upgrade in educational infrastructure?
भौतिक बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण और शैक्षिक बुनियादी ढांचे में उन्नयन के बाद स्कूल परिसर में अपने दौरे के दौरान आपने क्या सकारात्मक या नकारात्मक बदलाव देखे?

Before पहले	After बाद में

Q3.3. Do you think that the education department will consider the school to be recognized as Board Examination Center?

R. L. W
(Dr. K. S. Rao)

क्या आपको लगता है कि शिक्षा विभाग स्कूल को बोर्ड परीक्षा केंद्र के रूप में मान्यता देने पर विचार करेगा?

Yes /No

हां/नहीं

Q3.4. Improved infrastructure has helped in improving student's performance, do you agree or disagree, explain?

बेहतर बुनियादी ढांचे ने छात्र के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद की है, क्या आप सहमत हैं या असहमत हैं, समझाएं?

Q3.5. Do you think the infrastructure /facilities created by BEL have elevated the status of Government Schools? Yes / No Pease explain how?

क्या आपको लगता है कि बीईएल द्वारा बनाए गए बुनियादी ढांचे/सुविधाओं ने सरकारी स्कूलों की स्थिति को ऊपर उठाया है? हां/नहीं कृपया बताएं कैसे?

Q3.6. Do you think that the education department will consider the school to be recognized as Board Examination Center?

क्या आपको लगता है कि शिक्षा विभाग स्कूल को बोर्ड परीक्षा केंद्र के रूप में मान्यता देने पर विचार करेगा?

Yes /No

हां / नहीं

IV. Perception of BEL as a socially responsible company (सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के रूप में बीईएल की धारणा)

Q4.1. Are you satisfied with the educational and physical infrastructure strengthening done under the CSR funding?

क्या आप सीएसआर फंडिंग के तहत किए गए शैक्षिक और भौतिक बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण से संतुष्ट हैं?

Q4.2. Rate the work done by BEL under this CSR project

इस सीएसआर परियोजना के तहत बीईएल द्वारा किए गए कार्यों को रेट करें

(i) Excellent (ii) Very Good (iii) Good (iv) Bad

(i) उत्कृष्ट (ii) बहुत अच्छा (iii) अच्छा (iv) खराब

(Dr. K. S. Rao)

GIRI INSTITUTE OF DEVELOPMENT STUDIES
Sector – O, Aliganj, Lucknow, Uttar Pradesh

गिरि विकास अध्ययन संस्थान

सेक्टर - ओ, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

Impact Assessment of Infrastructure / Facilities created in Government Schools by Bharat Electronics Limited (BEL) under Corporate Social Responsibility (CSR)

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा सरकारी स्कूलों में बनाई गई बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं के प्रभाव का आकलन

Questionnaire for the Panchayat Representatives

(पंचायत प्रतिनिधियों के लिए प्रश्नावली)

State Districts Block Name of the Gram Panchayat **राज्य** **जिला** **ब्लॉक** **ग्राम पंचायत का नाम**

I. General Information about Respondent **उत्तरदाता के बारे में सामान्य जानकारी**

S. No.		
1	Name of the Respondent **उत्तरदाता का नाम**	
2	Gender **लिंग**	
3	Age **आयु**	
4	Education Qualification **शैक्षणिक योग्यता**	
5	Marital Status	

	वैवाहिक स्थिति	
6	Occupation पेशा	
7	Status in the Panchayat office पंचायत कार्यालय में स्थिति	
8	Name of the Gram Pardhan/Sarpanch ग्राम प्रधान/सरपंच का नाम	
9	No. of the members in the panchayat पंचायत में सदस्यों की संख्या	
10	No. of School in the village गांव में स्कूल की संख्या	1. Primary 2. Upper Primary 3. Secondary 1. प्राथमिक 2. उच्च प्राथमिक 3. माध्यमिक
11	Type of school स्कूल के प्रकार	1. Primary 2. Upper Primary 3. Secondary 1. प्राथमिक 2. उच्च प्राथमिक 3. माध्यमिक
12	How many children go to school कितने बच्चे स्कूल जाते हैं	1. Primary 2. Upper Primary 3. Secondary 1. प्राथमिक 2. उच्च प्राथमिक 3. माध्यमिक
13	Name of the teachers शिक्षकों का नाम	
14	Name of the Principal प्राचार्य का नाम	
15	Details of other staff अन्य कर्मचारियों का विवरण	

(Dr. K.S. Rao)

II. Role of the Panchayat in the school management (**स्कूल प्रबंधन में पंचायत की भूमिका)**

2.1. What is the Role of the Panchayat in Schools Management?

विद्यालय प्रबंधन में पंचायत की क्या भूमिका है?

Q2.2. What is the role of the panchayat in the construction in the schools? .

विद्यालयों के निर्माण में पंचायत की क्या भूमिका है?

Q2.3. What is the Role of the Panchayat in the Repair and maintenance of the School?

स्कूल की मरम्मत और रखरखाव में पंचायत की क्या भूमिका है?

Q2.4. What is the Role of the Panchayat in the overall school functions?

विद्यालय के समग्र कार्यों में पंचायत की क्या भूमिका है?

III. Awareness regarding Infrastructure /facilities created in the School

(विद्यालय में सृजित अवसंरचना/सुविधाओं के संबंध में जागरूकता)

Q3.1. Are you aware about some Infrastructure /facilities created in the School?

क्या आप विद्यालय में सृजित कुछ बुनियादी सुविधाओं/सुविधाओं के बारे में जानते हैं?

1. Yes 2. No

1. **हाँ** 2. **नहीं**

Q3.2. If yes, who created, name of the Agency?

यदि हां, तो किसने बनाया, एजेंसी का नाम?

1. School 2. Punchyat 3. Government 4. Any agency 5. Do not know

1. **स्कूल** 2. **पंचायत** 3. **सरकार** 4. **कोई एजेंसी** 5. **पता नहीं**

Q3.3. Who initiated the work related to infrastructure and facilities created in the school

जिन्होंने विद्यालय में निर्मित अधोसंरचना एवं सुविधाओं से संबंधित कार्य की शुरूआत की

(Dr. K.S. Rao)

1. School 2. Punchyat 3. Government 4. Any agency 5. Do not know

1. **स्कूल** 2. **पंचायत** 3. **सरकार** 4. **कोई एजेंसी** 5. **पता नहीं**

Q3.4. Who suggest the name of the village and schools to the company for work?

कंपनी को काम के लिए गांव और स्कूल का नाम कौन सुझाता है?

1. School 2. Punchyat 3. Government 4. Any agency 5. Do not know

1. **स्कूल** 2. **पंचायत** 3. **सरकार** 4. **कोई एजेंसी** 5. **पता नहीं**

IV. BEL Initiative under CSR. (**सीएसआर के तहत बीईएल पहल)**

Q4.1 How BEL Identify the school for their CSR Activities **(1 बीईएल अपनी सीएसआर गतिविधियों के लिए स्कूल की पहचान कैसे करता है)**---

Q.4.2 When they contact the school authorities for investment.

जब वे निवेश के लिए स्कूल के अधिकारियों से संपर्क करते हैं।

Q4.3 Who decide the Activities to be done….

की जाने वाली गतिविधियों को कौन तय करता है…**.........**

Q4.4. On what basis work/activities has been chosen. .

कार्य/गतिविधियों का चयन किस आधार पर किया गया है।

Q4.5. Did the CSR intervention of creating Infrastructure / Facilities created by the BEL in the School is meet the needs of the Institution? .

क्या स्कूल में बीईएल द्वारा निर्मित अवसंरचना/सुविधाओं के निर्माण का सीएसआर हस्तक्षेप संस्थान की जरूरतों को पूरा कर रहा है?

Q4.6. The Infrastructure / Facilities created by the BEL in the School are in use (Partial/Full/Not in use) with Justification

स्कूल में बीईएल द्वारा निर्मित अवसंरचना/सुविधाएं उपयोग में हैं (आंशिक/पूर्ण/उपयोग में नहीं) औचित्य के सा

Q4.7. How will school ensure sustainability of the work done by the BEL?

स्कूल बीईएल द्वारा किए गए कार्य की निरंतरता कैसे सुनिश्चित करेगा?

Q4.8. Who will do the maintenance of the infrastructure / facilities created by the BEL in the School?

स्कूल में बीईएल द्वारा बनाए गए बुनियादी ढांचे/सुविधाओं का रखरखाव कौन करेगा?

V. Impact of BEL Contribution on School condition.(**स्कूल की स्थिति पर बीईएल योगदान का प्रभाव)**

Q5.1. How was the condition of the school before investment?

निवेश से पहले स्कूल की स्थिति कैसी थी?

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

Q5.2. How is the condition now?

अब कैसी स्थिति है?

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

Q5.3. The status of school as compared to other private school in the area is

क्षेत्र के अन्य निजी विद्यालयों की तुलना में विद्यालय की स्थिति कैसी है

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

(Dr. K.S. Rao)

Q5.4. The level of education in the school as compared other private school in the area is

क्षेत्र के अन्य निजी विद्यालयों की तुलना में विद्यालय में शिक्षा का स्तर कैसा है

1. very bad 2. Bad 3. Good 4. Very Good

1. बहुत खराब 2. खराब 3. अच्छा 4. बहुत अच्छा

VI. Impact of BEL Contribution on School Environment

(स्कूल पर्यावरण पर बीईएल योगदान का प्रभाव)

6.1 Question related to Impact on the students directly or indirectly after BEL contribution

बीईएल योगदान के बाद प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों पर प्रभाव से संबंधित प्रश्न

S. No.	Question **प्रश्न**	Very Good **बहुत अच्छा**	Good **अच्छा**	Not Good **अच्छा नहीं है**	No impact **कोई प्रभाव नहीं**
1	Condition of school **स्कूल की स्थिति**				
2	School environment **स्कूल का माहौल**				
3	Your child Interest on Studies **आपके बच्चे की पढ़ाई में रुचि**				
4	Health &hygiene issues **स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दे**				

5	Drinking water facilities **पीने के पानी की सुविधा**				
6	Toilets/Bathroom conditions **शौचालय/बाथरूम की स्थिति**				
7	Exam Results **परीक्षा के परिणाम**				
8	Sports activities **खेलकूद गतिविधियां**				
9	Other curriculum activities **अन्य पाठ्यक्रम गतिविधियाँ**				
10	Any other specific things **कोई अन्य विशिष्ट बातें**				

VII. Relevance of BEL Initiative (**बीईएल पहल की प्रासंगिकता)**

Q4.1 Did the CSR intervention of creating Infrastructure / Facilities in Government Schools across India meet the needs of the beneficiary Institution?

क्या भारत भर के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा/सुविधाएं बनाने का सीएसआर हस्तक्षेप लाभार्थी संस्थान की जरूरतों को पूरा करता है?

Q4.2 Did the project achieve the overall objective of creating a conducive learning environment in Government Schools?

क्या परियोजना ने सरकारी स्कूलों में सीखने के अनुकूल माहौल बनाने के समग्र उद्देश्य को प्राप्त किया?

(Dr. K.S. Rao)

Q. 4.3 Did the infrastructure / facilities created by BEL, elevate the status of the School by way of recognition by the Education Department to play additional roles such as Board examination centre etc.

क्या बीईएल द्वारा बनाई गई अवसंरचना/सुविधाओं ने बोर्ड परीक्षा केंद्र आदि जैसी अतिरिक्त भूमिकाएं निभाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता के माध्यम से स्कूल की स्थिति को ऊंचा किया?

Q4.4. Perception of BEL as a socially responsible company.

सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के रूप में बीईएल की धारणा

Q4.5. Are you satisfy with the facilities created by the BEL in the school

क्या आप विद्यालय में बीईएल द्वारा निर्मित सुविधाओं से संतुष्ट हैं ?

Q4.6. any other suggestions for the improvement in the school

स्कूल में सुधार के लिए कोई अन्य सुझाव